दैनिक
सनातन वीर
Reg. No. MPHIN/25A3002
राष्ट्रहित, धर्मरक्षा जनसेवा को समर्पित
नगर संस्करण | इंदौर, शनिवार, 28 मार्च 2026 | वर्ष : 01, अंक : 114, कीमत : 03 रुपए, पृष्ठ : 8

भय प्रकट कृपाला दीनदयाला, कौसल्या हितकारी।
हरषित महतारी, मुनि मन हारी, अद्भुत रूप बिचारी॥

करुणा के सागर, दीनों पर दया करने वाले भगवान श्रीराम प्रकट हुए, जो माता कौसल्या के लिए आनंद देने वाले हैं। माता कौसल्या अत्यंत प्रसन्न हो गईं। उनका अद्भुत रूप ऐसा था कि मुनियों का मन भी मोहित हो जाए।

रामलला का सूर्यतिलक और मोदी का डिजिटल प्रणाम

अयोध्या ● एजेंसी

रामनवमी के अवसर पर राम की नगरी अयोध्या में रामलला का जन्मोत्सव पूरे आस्था और श्रद्धा के साथ मनाया गया है। प्रभु श्रीराम के बाल स्वरूप रामलला का दर्शन करने के लिए अयोध्या में लगभग दस लाख भक्तों पहुंचे। राममंदिर सहित अयोध्या के सभी मंदिरों में प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दोपहर ठीक 12 बजे भगवान सूर्य की किरणों से प्रभु श्रीराम का तिलक हुआ।

शुक्रवार को मौसम खराब था। कभी धूप कभी बारिश। बादलों की चाल को देखते हुए श्रद्धालुओं में थोड़ी निराशा दिखी लेकिन निराशा पर भक्ति और आस्था भारी पड़ती रही। अंततः जब दोपहर 12 बजने को थे तभी सूर्य देव ने दर्शन दिए और भव्य राम मंदिर में स्थापित राम की प्रतिमा पर ठीक 12 पर उनके मस्तक पर सूर्य तिलक हुआ। प्रभु श्रीराम के ललाट पर जब सूर्य की किरणें सीधे पड़ी तो दृश्य मनोहारी एवं अद्भुत हो गया। गर्भगृह तक बधाइयां गूंजने लगीं। मंदिर के गर्भगृह में पुजारी की मौजूदगी में भगवान श्री राम के प्रतीकात्मक जन्मोत्सव का आयोजन संपन्न किया गया। राम मंदिर के ट्रस्ट विशेष आमंत्रित सदस्य, राम मंदिर दर्शन व्यवस्था के प्रभारी गोपाल जी राव ने बताया कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में सुबह 5 बजे से दर्शन शुरू हुआ।

ईरान के साथ ट्रंप का डबल गेम
10,000 अतिरिक्त सैनिक, 10 दिन युद्ध टाला

वॉशिंगटन ● एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच एक रिपोट्र्स में दावा किया गया गया है कि अमेरिका पश्चिम एशिया में 10,000 अतिरिक्त जमीनी सैनिक भेजने की योजना बना रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान के साथ बातचीत चलने के बावजूद अमेरिका यह बड़ा कदम उठा सकता है। यरूशलेम पोस्ट ने वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के हवाले से यह जानकारी दी है।

रिपोर्ट में क्या?

रिपोर्ट में युद्ध विभाग के अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया गया, इस नई तैनाती में पैदल सेना और बख्तरबंद गाड़ियां शामिल हो सकती हैं। अमेरिका की 82वीं एयरबोर्न डिवीजन पहले से ही इस क्षेत्र में मौजूद है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस डिवीजन की तैनाती का सीधा उद्देश्य ईरान के रणनीतिक हितों, जैसे कि खर्ग द्वीप, को निशाना बनाना है। हालांकि रिपोर्ट में कहा गया है कि यह स्पष्ट नहीं है कि अतिरिक्त सेना को कहां भेजा जाएगा या तैनात किया जाएगा।

व्हाइट हाउस की उप प्रेस सचिव अन्ना केली ने इस मामले पर कहा कि सैनिकों की तैनाती से जुड़ी कोई भी आधिकारिक घोषणा युद्ध विभाग ही करेगा। उन्होंने साफ किया कि राष्ट्रपति ट्रंप के पास सभी सैन्य विकल्प

उपलब्ध रहते हैं। दूसरी ओर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने इस रिपोर्ट पर कोई भी टिप्पणी करने से मना कर दिया है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आए हैं जब अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच चल रहा यह संघर्ष अब चौथे हफ्ते में प्रवेश कर चुका है। राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में ईरान के खिलाफ सैन्य अभियानों में थोड़ी राहत देने के संकेत दिए थे। उन्होंने बताया कि ईरान ने अपने ऊर्जा ठिकानों पर होने वाले अमेरिकी हमलों को सात दिनों के लिए रोकने की मांग की थी। ट्रंप ने इस समय सीमा को बढ़ाकर 10 दिन कर दिया है, जो 6 अप्रैल तक रहेगी। इसके बावजूद अमेरिका और इस्राइल की संयुक्त सेना के हमले लगातार जारी हैं।

ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4 की 83वीं लहर शुरु

इस बीच, जवाब में ईरान की 'इस्लामिक रिवोल्यूशन गाड्‌र्स कॉर्प्स' (आईआरजीसी) ने शुक्रवार तड़के 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4' की 83वीं लहर शुरू करने का एलान किया। ईरान ने आधुनिक मिसाइलों और ड्रोनों की मदद से क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी और इस्राइली सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है।

क्षेत्र में बिगड़ते सुरक्षा हालातों के बीच ईरान ने संयुक्त राष्ट्र को उन मीडिया रिपोर्टों की जानकारी दी है, जिनमें ईरानी नेताओं की हत्या की साजिश का जिक्र है। इन रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका और इस्राइल ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ और विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची की हत्या की योजना बना रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अमीर सईद इरावानी ने इस पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव और सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को पत्र लिखकर इस खतरे से अवगत कराया।

भारतीय बच्चों का गुल्लक दान करना कभी नहीं भूलेंगे-ईरान
ये प्यार भरा तोहफा; मिसाइलों पर थैंक्यू इंडिया लिखकर इजराइल पर दागीं

तेल अवीव/तेहरान ● एजेंसी

ईरान ने भारतीय बच्चों के गुल्लक दान करने पर भावुक प्रतिक्रिया दी है। भारत में ईरान के दूतावास ने कहा कि इस मदद को वह कभी नहीं भूलेंगे। दूतावास ने कहा कि भारतीय बच्चों का अपनी गुल्लक दान करना 'प्यार भरा तोहफा' है, जिसे कभी नहीं भुलाया जाएगा। दूतावास ने सोशल मीडिया पर कहा कि छोटे-छोटे बच्चों ने अपने छोटे हाथों से जो मदद दी, वह बेहद खास है और दोनों देशों के रिश्तों की गहराई को दिखाती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक जम्मू-कश्मीर समेत कई जगहों पर बच्चों ने अपनी गुल्लक तोड़कर ईरान के लिए पैसे दान किए। ईरान दूतावास ने कहा कि यह दया और समर्थन उनके

लिए बेहद मायने रखता है और इसे हमेशा याद रखा जाएगा। इसी बीच, ईरान ने इजराइल पर

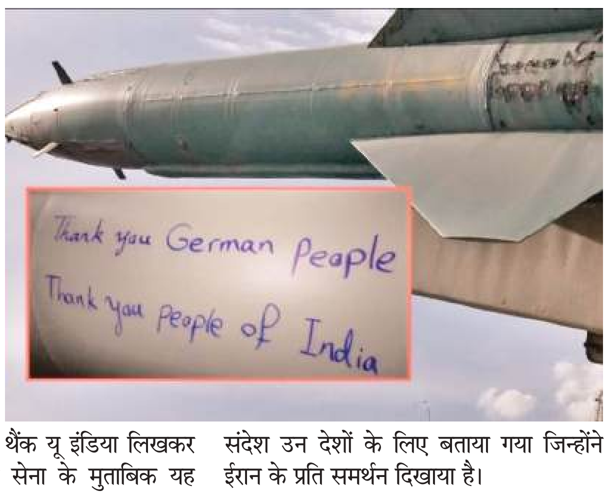

दागी गई मिसाइलों पर थैंक यू इंडिया लिखकर आभार जताया। ईरानी सेना के मुताबिक यह संदेश उन देशों के लिए बताया गया जिन्होंने ईरान के प्रति समर्थन दिखाया है।

सीजेआई ने सभी हाई कोर्ट को लिखा पत्र
न्यायिक रिक्तियों में देरी बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली ● एजेंसी

देश की न्याय व्यवस्था में तेजी लाने की दिशा में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। सीजेआई ने देश के सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों को पत्र लिखा है। उन्होंने निर्देश दिया है कि जजों के खाली पदों को भरने की प्रक्रिया में अब और देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस पत्र की सबसे खास बात महिला जजों की नियुक्ति को लेकर सीजेआई का सख्त रुख है। सीजेआई सूर्यकांत ने अपने पत्र में जिक्र किया है कि उच्च न्यायपालिका में महिलाओं का प्रतिनिधित्व अब भी काफी कम है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट कॉलेजियम को महिला जजों की नियुक्ति को अपवाद के तौर पर नहीं, बल्कि सामान्य नियम के रूप में देखना चाहिए। मेधावी महिला वकीलों को बेंच

का हिस्सा बनाना केवल संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया में संवेदनशीलता लाने के लिए अनिवार्य है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने बताया कि जिला अदालतों में महिला न्यायिक अधिकारियों की संख्या लगभग 36.3 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि जब निचली अदालतें इतना मजबूत है, तो इसका असर उच्च न्यायपालिका में भी दिखना चाहिए।

2.38 करोड़ से भारतीय सेना होगी पॉवरफुल, S - 400 की अतिरिक्त खरीद भी

रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने शुक्रवार को विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी है, जिसके तहत लगभग 2.38 लाख करोड़ रुपये की लागत के सैन्य हार्डवेयर खरीदे जाएंगे। भारतीय सेना के लिए एयर डिफेंस ट्रैक्ड सिस्टम, आर्मर्ड पियर्सिंग टैंक एम्यूनिशन, उच्च क्षमता के रेडियो रिले, धनुष गन सिस्टम और रनवे इंडिपेंडेंट एरियल सर्विलांस सिस्टम की खरीद की मंजूरी दी गई है। एयर डिफेंस ट्रैक्ड सिस्टम रियल-टाइम में वायु रक्षा नियंत्रण और रिपोर्टिंग क्षमता प्रदान करेगा। जबकि, उच्च क्षमता वाला रेडियो रिले भरोसेमंद और त्रुटि-रहित संचार सुनिश्चित करेगा। धनुष गन सिस्टम' से तोपखाने की क्षमता बढ़ेगी और सभी क्षेत्रों में लंबी दूरी के लक्ष्यों को अधिक प्रभावी और सटीक ढंग से निशाना बनाया जा सकेगा। 'रनवे इंडिपेंडेंट एरियल सर्विलांस सिस्टम' सैन्य इकाइयों को निगरानी की क्षमता देगा

और 'आर्मर्ड पियर्सिंग टैंक एम्यूनिशन' टैंक रोधी हथियारों की क्षमता को बढ़ाएगा। भारतीय वायु सेना के लिए मध्यम परिवहन विमान, लंबी दूरी की सतह-से-वायु मिसाइल प्रणाली एस-400, दूर से नियंत्रित हमलावर विमान और सुखोई-30 एयरो इंजन के कलपुर्जों की मरम्मत और ओवरहाल (इंजन के सभी हिस्सों की पूरी तरह जांच करना, खराब या घिसे हुए हिस्सों को बदलना और उसे फिर से पूरी क्षमता के साथ चलाने के योग्य बनाना) के प्रस्ताव मंजूर किए गए हैं। मध्यम परिवहन विमान के शामिल होने से एएन-32 और आईएल-76 के पुराने परिवहन बेड़े को बदलने से वायु सेना की रणनीतिक, सामरिक हवाई परिवहन की सभी आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकेगा। एस-400 प्रणाली दुश्मन के लंबी दूरी के हवाई हमलों को रोकने में मदद करेगी, जबकि दूर से नियंत्रित हमलावर विमान हमले और समन्वित हवाई संचालन करने के साथ-साथ गुप्त खुफिया, निगरानी और पहचान कार्यों में सक्षम होगा।

लद्दाख में कुदरत का कहर : हिमस्खलन की चपेट में आने से सात लोगों की मौत

लेह। लद्दाख सेक्टर के जोजिला दर्रे के जीरो प्वाइंट इलाके में हिमस्खलन हुआ। जिसमें कुछ वाहन बर्फ के नीचे फंस गए। इस हादसे में अब तक सात लोगों की मौत हो गई है। पांच अन्य व्यक्ति घायल हो गए हैं, शुक्रवार को जोजिला दर्रे पर एक यात्री वाहन हिमस्खलन की चपेट में आ गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यात्री वाहन पर भारी बर्फ का ढेर गिर गया। इस भारी बर्फबारी के कारण वाहन में सवार छह लोगों की मौके पर ही जान चली गई।

प्रधानमंत्री मोदी की मुख्यमंत्रियों से अपील : मिलकर काम, कोई लॉकडाउन नहीं

नई दिल्ली ● एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ईरान जंग को लेकर राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि सभी राज्य टीम इंडिया की तरह मिलकर काम करें और अपनी तैयारियां मजबूत रखें। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई बैठक में PM ने राज्यों की तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता अर्थव्यवस्था, ऊर्जा और नागरिकों की सुरक्षा है।

PM ने सप्लाई चेन सही रखने, जमाखोरी-कालाबाजारी करने वालों पर सख्ती करने को कहा। साथ ही खाद के स्टॉक व वितरण पर नजर रखने को कहा। इससे पहले सरकार ने कहा कि देश में लॉकडाउन

नहीं लगेगा। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू समेत तीन मंत्रियों ने लॉकडाउन की खबरों को गलत बताया है। मुख्यमंत्रियों ने केंद्र के फैसलों की सराहना की और तेल पर एक्साइज ड्यूटी घटाने व LPG बढ़ाने के निर्णय

का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि राज्यों में पेट्रोल, डीजल और LPG की पर्याप्त सप्लाई है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। इस मुद्दे पर PM ने पहली बार मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल रहे। बैठक में आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, तेलंगाना के रेवंत रेड्डी, पंजाब के भगवंत मान, गुजरात के भूपेंद्र पटेल, जम्मू-कश्मीर के उमर अब्दुल्ला, हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सिंह सुक्खू और अरुणाचल प्रदेश के पेमा खांडू सहित कई मुख्यमंत्री शामिल हुए।

सरकार के 3 मंत्रियों ने लॉकडाउन की खबरों को नकारा- लॉकडाउन की अफवाहें प्रधानमंत्री मोदी के 4 दिन पहले संसद में दिए गए बयान के बाद शुरू हुईं। उन्होंने कहा था कि इस युद्ध के कारण दुनिया में जो कठिन हालात बने हैं, उनका प्रभाव लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। हम कोरोना के समय भी एकजुटता से ऐसी चुनौतियों का सामना कर चुके हैं।

सरकार के तीन मंत्रियों ने इसे नकारा...

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू: लॉकडाउन की अफवाह कौन उड़ा रहा है। पीएम ने साफ तौर पर कहा था कि पैनिक नहीं होना है। आम लोगों को तकलीफ न हो इसके लिए टॉप लेवल से लेकर नीचे लेवल तक, यहां तक कि पीएम खुद मॉनीटर कर रहे हैं।

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी: लॉकडाउन को लेकर फैल रही अफवाहें पूरी तरह गलत हैं। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि सरकार के स्तर पर ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। ऐसे समय में जरूरी है कि हम सभी शांत, जिम्मेदार और एकजुट रहें।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण: मैं लोगों को भरोसा दिलाना चाहती हूं कि कोविड के दौरान जैसा लॉकडाउन हमने देखा, वैसा कोई लॉकडाउन नहीं होगा। मुझे हैरानी है कि कुछ नेता कह रहे हैं कि लॉकडाउन होगा और फ्यूल की कमी होगी।

TI ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई, कहा- सच लिखा इसलिए सस्पेंड किया गया, छुट्टी पर रही ASI भी सस्पेंड

IAS फार्महाउस जुआकांड में FIR बदलने से इनकार पड़ा भारी

इंदौर ● संवाददाता

मानपुर फार्महाउस जुआकांड अब पुलिस कार्रवाई से निकलकर सीधे हाईकोर्ट की चौखट तक पहुंच गया है। आईएएस वंदना वैद्य के फार्महाउस पर जुआ पकड़े जाने के मामले में सस्पेंड किए गए टीआई लोकेंद्र सिंह हिहोरे ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दावा किया है कि उन्हें सिर्फ इसलिए निलंबित किया गया क्योंकि उन्होंने एफआईआर में सही जगह और सही नाम लिखने से इनकार नहीं किया।

टीआई ने अपनी याचिका में साफ कहा है कि घटना के बाद उन पर लगातार दबाव बनाया गया कि फार्महाउस का नाम एफआईआर से हटाया जाए और स्थान बदल दिया जाए, लेकिन उन्होंने नियम के अनुसार कार्रवाई की और सही तथ्य दर्ज किए। इसके बाद ही उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू हुई और उन्हें सस्पेंड कर दिया गया। हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई, जिसमें शासन की तरफ से जवाब पेश किया गया। कोर्ट ने प्रमुख सचिव गृह विभाग, डीजीपी, आईजी ग्रामीण, एसपी ग्रामीण, एडिशनल एसपी और एसडीओपी को पक्षकार बनाते हुए जवाब तलब किया है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 1 अप्रैल को होगी। याचिका में टीआई हिहोरे ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ की गई कार्रवाई पूरी तरह से प्रभाव में आकर की गई है और यह प्रशासनिक शक्तियों का दुरुपयोग है।

जुआ पकड़ने की कार्रवाई के समय नहीं थी यह जानकारी

याचिका में यह भी कहा गया कि जुआ पकड़ने की कार्रवाई के समय उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि फार्महाउस आईएएस वंदना वैद्य का है। जब यह बात सामने आई तो उन पर फोन और मैसेज के जरिए दबाव बनाया गया, लेकिन उन्होंने झुकने से इनकार कर दिया। गौरतलब है कि 10-11 मार्च की रात मानपुर स्थित फार्महाउस पर जुआ पकड़े जाने के बाद 11 मार्च को एसपी यांगचेन डोलकर भाटिया ने टीआई लोकेंद्र सिंह हिहोरे, एसआई मिथुन ओसारी और एएसआई रेशम गिरवाल को सस्पेंड कर दिया था। अब मामला हाईकोर्ट में पहुंच चुका है और 1 अप्रैल की सुनवाई को इस पूरे जुआकांड में बड़ा मोड़ माना जा रहा है, क्योंकि पहली बार सस्पेंड टीआई ने खुलकर आरोप लगाया है कि कार्रवाई नियम से नहीं, बल्कि दबाव में की गई।

FIR में बदलाव नहीं करने की वजह से हुआ सस्पेंड

टीआई ने लिखा, एफआईआर में बदलाव नहीं करने की वजह से उन्हें सस्पेंड किया गया और बाद में मामले की जांच भी ऐसे अधिकारी को दे दी गई जो उनके वरिष्ठों के अधीन काम करते हैं। टीआई ने यह भी सवाल उठाया कि एएसआई रेशम गिरवाल को भी सस्पेंड कर दिया गया, जबकि वे 21 फरवरी से बीमारी के कारण छुट्टी पर थीं और घटना के समय ड्यूटी पर मौजूद ही नहीं थीं। उन्होंने इसे बिना जांच और बिना विवेक के लिया गया फैसला बताया।

टीआई के एडवोकेट बोले- सुनवाई में पक्ष रखेंगे

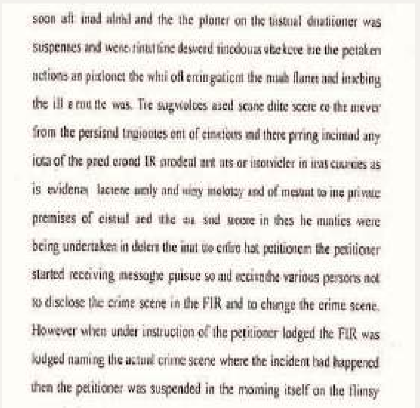
to disclose the crime scene in the FIR and to change the crime scene. However when under instruction of the petitioner lodged the FIR was lodged naming the actual crime scene where the incident had happened then the petitioner was suspended in the morning itself on the flimsy

मामले में टीआई लोकेंद्रसिंह हिहोरे की ओर से एडवोकेट मिनी रवीन्द्रन ने बताया कि प्रकरण वर्तमान में न्यायालय में लंबित (सब ज्यूडिस) है और इसकी अगली सुनवाई 1 अप्रैल को निर्धारित है। उन्होंने कहा कि सुनवाई से पहले इस संबंध में कोई टिप्पणी, बयान या जानकारी साझा करना उचित नहीं होगा।

शॉर्ट न्यूज

बिजली दरों में बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

इन्दौर। मध्य प्रदेश में 1 अप्रैल 2026 से बिजली दरों में 4.80 प्रतिशत की बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस विरोध में उतर आई है। कांग्रेस ने सरकार पर हमले बोलते हुए, विद्युत दर वृद्धि वापस लेने की मांग की है। विद्युत दर वृद्धि को भाजपा सरकार का जनविरोधी फैसला बताते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेश चौकसे, गिरधर नागर एवं प्रदेश प्रवक्ता अमित कुमार चौरसिया ने संयुक्त बयान जारी कर इसका कड़ा विरोध किया है। नेताओं ने कहा कि पहले से महंगाई और बढ़े हुए टैक्स की मार झेल रही जनता पर यह एक और आर्थिक बोझ है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। यह वृद्धि उपभोक्ताओं की जेब पर सीधा हमला है।कांग्रेस नेताद्वय ने कहा है कि यह भाजपा सरकार की जनसेवा नहीं, वसूली का नया मॉडल है।

इंदौर छावनी रोड चौड़ीकरण पर फैसला

इंदौर। छावनी क्षेत्र में लंबे समय से अटके सड़क चौड़ीकरण को लेकर आखिरकार प्रशासन ने अहम निर्णय ले लिया है। वर्षों से विवादों और विरोध के कारण रुकी इस परियोजना में अब सड़क की प्रस्तावित चौड़ाई 80 फीट से घटाकर 70 फीट कर दी गई है। अंग्रेजों के समय विकसित इस इलाके की मुख्य सड़क को मास्टर प्लान में 80 फीट चौड़ा करने का प्रावधान था, लेकिन स्थानीय व्यापारियों के लगातार विरोध के चलते यह योजना करीब एक दशक से अटकी हुई थी। मामला अदालतों तक पहुंचा और अंततः सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट ने जिला प्रशासन व निगम को आपसी सहमति से समाधान निकालने के निर्देश दिए थे। हाल ही में जिला प्रशासन की बैठक में दोनों पक्षों के हितों को ध्यान में रखते हुए बीच का रास्ता निकाला गया।

सह-स्वामित्व रजिस्ट्री बनी अड़चन

जोनल कार्यालयों पर अटके 100 से अधिक नामांतरण

इंदौर ● संवाददाता

शहर में सह-स्वामित्व (को-ओनरशिप) वाली रजिस्ट्री अब संपत्ति नामांतरण में बड़ी बाधा बन गई है। नगर निगम के 22 जोनल कार्यालयों में 100 से अधिक मामलों में नामांतरण की प्रक्रिया अटकी हुई है, जिससे नागरिकों को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार, सह-स्वामित्व वाली रजिस्ट्री का प्रावधान तो मौजूद है, लेकिन इसे अभी तक भू-राजस्व संहिता में शामिल नहीं किया गया है। यही कारण है कि रजिस्ट्री होने के बावजूद संबंधित खरीदार का नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हो पा रहा है।

2011 के आदेश का अब उल्टा असर

नगर निगम ने वर्ष 2011 में 11,100 वर्गफीट तक के भूखंडों की रजिस्ट्री सह-स्वामित्व के रूप में करने की अनुमति दी थी। इस व्यवस्था में खरीदार को संपत्ति पर स्वामित्व का अधिकार तो मिल जाता है, लेकिन नामांतरण नहीं होने से कानूनी और प्रशासनिक अड़चनें सामने आ रही हैं।

जोनल कार्यालयों में बढ़ा विवाद

पिछले कुछ समय से जोनल कार्यालयों में नामांतरण को लेकर विवाद की स्थिति बन रही है। आवेदकों का कहना है कि रजिस्ट्री कराने के बाद भी उनका नाम रिकॉर्ड में नहीं जोड़ा जा रहा, जिससे उन्हें बैंक लोन, नक्शा पास कराने और अन्य कार्यों में दिक्कतें हो रही हैं।

राजस्व विभाग से मांगा गया मार्गदर्शन

निगम के अपर आयुक्त के अनुसार, पूरे मामले में राजस्व विभाग से मार्गदर्शन मांगा गया है। दिशा-निर्देश मिलने के बाद ही नामांतरण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। वहीं, राजस्व विभाग के अधिकारियों का स्पष्ट कहना है कि सह-स्वामित्व रजिस्ट्री का प्रावधान भू-राजस्व संहिता में नहीं होने के कारण फिलहाल नामांतरण संभव नहीं है।

इंदौर में आधे से ज्यादा पेंटहाउस अवैध

शहर में बहुमंजिला इमारतों के बढ़ते चलन के साथ अवैध निर्माण का एक बड़ा खेल सामने आया है। गार्ड रूम, जनरेटर रूम और पंप रूम के नाम पर अनुमति लेकर बिल्डरों द्वारा पूरे-पूरे आलीशान फ्लैट खड़े कर दिए गए हैं, जिन्हें "पेंटहाउस" के नाम पर बेचा जा रहा है। जबकि नगर निगम ने करीब एक दशक पहले ही पेंटहाउस निर्माण की अनुमति देना बंद कर दिया था। इसके बावजूद शहर के आधे से ज्यादा पेंटहाउस अवैध बताए जा रहे हैं।

हाल ही में लसुड़िया थाना क्षेत्र में सामने आए मामले ने इस पूरे खेल की परतें खोल दी हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि शहर की अधिकांश बहुमंजिला इमारतों में इस तरह का अवैध निर्माण देखने को मिल सकता है, लेकिन जिम्मेदार विभागों की ओर से अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है।

अनुमति एक कमरे की, निर्माण पूरे फ्लैट का

नियमों के अनुसार छत पर केवल सीमित उपयोग के लिए गार्ड रूम या तकनीकी कक्ष (जैसे जनरेटर/पंप रूम) बनाने की अनुमति दी जाती है। लेकिन बिल्डर इसी अनुमति का दुरुपयोग करते हुए पूरे फ्लैट का निर्माण कर देते हैं। बाद में इन्हें "पेंटहाउस" बताकर ऊंची कीमतों पर बेचा जाता है।

खरीदारों के लिए चेतावनी

वरिष्ठ इंजीनियर अतुल शेठ के अनुसार, "पेंटहाउस वैध नहीं हो सकता, क्योंकि इसकी अनुमति ही नहीं है। बिल्डर गार्ड रुम के नाम पर अवैध फ्लैट बना देते हैं। खरीदारों को सतर्क रहना चाहिए।" वहीं, रिटायर्ड टाउन प्लानर राजेश असाटी का कहना है कि "निगम पेंटहाउस की अनुमति नहीं देता, इसके बावजूद निर्माण हो रहा है, जो सीधे तौर पर नियमों का उल्लंघन है।" इंदौर में पेंटहाउस के नाम पर चल रहा यह अवैध खेल न केवल नियमों की धज्जियां उड़ा रहा है, बल्कि शासन को भारी आर्थिक नुकसान भी पहुंचा रहा है।

करोड़ों के राजस्व का नुकसान

अवैध निर्माण और गलत तरीके से की जा रही रजिस्ट्री के कारण शासन को करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा है। व्यावसायिक संपत्तियों में बने पेंटहाउस भी निगम से स्वीकृत नहीं हैं, फिर भी उनका लेन-देन जारी है।

10 साल से बंद है अनुमति, फिर भी जारी निर्माण

नगर निगम द्वारा पेंटहाउस निर्माण की अनुमति लगभग दस साल पहले बंद कर दी गई थी। इसके बाद भी शहर में धड़ल्ले से पेंटहाउस बन रहे हैं। इससे साफ है कि या तो निगरानी में गंभीर कमी है या फिर नियमों की अनदेखी जानबूझकर की जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो यह समस्या और विकराल हो सकती है। नगर निगम के अधिकारियों की निष्क्रियता पर भी सवाल उठ रहे हैं।

परिजन बोले- हत्या हुई, 20 दिन बाद थी शादी

कार ने स्कूटी सवार को उड़ाया

इंदौर ● संवाददाता

मध्य प्रदेश के इंदौर में तेज रफ्तार कार ने एक्टिवा सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। दोनों युवकों के सिर और शरीर पर चोटें आई हैं। घटना CCTV कैमरे में कैद हो गई। मामला तुकोगंज थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान खजराना निवासी 23 वर्षीय अनस अब्बासी के रूप में हुई है, जबकि घायल युवक का नाम जुबेर (32) बताया गया है। जुबेर के दोनों पैर फैक्चर गए हैं। उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

स्कूटी चकनाचूर, कार भी डैमेज

स्थानीय लोगों ने बताया कि गुरुवार देर रात करीब ढाई बजे एमजी रोड पर टक्कर इतनी भयंकर थी कि दोनों युवक हवा में उछलकर कार के ऊपर से करीब 30 फीट दूर फुटपाथ पर जा गिरे। वहीं स्कूटी पूरी तरह चकनाचूर हो गई। वहीं कार भी डैमेज हुई है। CCTV फुटेज में दिख रहा है कि दो युवक स्कूटी से जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कार उनके पास से गुजरती है और उन्हें उड़ा देती है। दोनों युवक जमीन पर गिरकर खून से लथपथ हो जाते हैं। टक्कर मारने के बाद कार सवार फरार हो जाता है।

अनस इकलौता बेटा था, फोटोग्राफी करता था

अनस अब्बासी अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। फोटोग्राफी का काम करता था। उसके पिता की दो साल पहले बीमारी से मृत्यु हो चुकी थी। घायल जुबेर कार डेकोरेशन का काम करता है। उसकी शादी करीब 20 दिन बाद तय है। हादसे के बाद परिजन बुरी तरह सदमे में हैं।

परिवार ने हत्या की आशंका जताई

हादसे के बाद मृतक के परिजन गुलरेज ने बताया कि भतीजा रात करीब ढाई बजे चाय पीने गया था, तब हादसा हुआ। उनके मुताबिक उन्हें घटना संदिग्ध लगी है और भतीजे की हत्या की गई हो सकती है। उन्होंने पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने किया मामला दर्ज

तुकोगंज टीआई जितेंद्र यादव ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है। कार पुलिस के कब्जे में है। आरोपी फरार है। जांच में सामने आया है कि कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। आरोपियों की पहचान की जा रही है।

पुलिस ने की पुलिस के वाहन की चैकिंग यह सब मिला गाड़ी में

इंदौर। पुलिस सड़कों पर आम जनता के वाहनों की चेकिंग तो करती है लेकिन आज पुलिस अपने ही वहां की चेकिंग करती हुई नजर आई डीसीपी ने 112 से लेकर तमाम पुलिस के वाहनों की चेकिंग की गई। एडिशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल के मुताबिक समय-समय पर यह रूटिंग चेकिंग है जो की की जाती है डायल 112 में तमाम उपकरण होते हैं जिनके रखरखाव और डायल 112 को जब कॉल मिलता है किसी घटनास्थल का तो कितनी देर में वहां पहुंचती है इसका पूरा अवलोकन किया गया है साथ ही उसमें जो रखे हुए उपकरण थे उनकी बारीकी से चेकिंग की गई जिसमें यदि कोई घायल घटनास्थल पर मिलता है तो उसको रेस्क्यू करने के चारों उपकरण डायल 112 में उपलब्ध है।

शतचंडी महायज्ञ अनुष्ठान का आयोजन किया गया

इंदौर ● संवाददाता

माता अहिल्या की पावन नगरी इंदौर के पी टी सी मैदान, मूसाखेड़ी इलाके में विगत सालों की तरह अत्यंत धूमधाम के साथ शतचंडी महायज्ञ अनुष्ठान का आयोजन किया गया। गरिमामय माहौल में तथा पूरे धार्मिक विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ।

आयोजन समिति के नवल मुंदड़ा ने बताया कि कार्यक्रम में भगवान राम का अभिषेक, छप्पन भोग की व्यवस्था, पूर्णाहुति तथा महाप्रसादी के साथ ही विशेष अतिथियों का स्वागत किया गया। रोजाना भजन संध्या के साथ ही भोजन प्रसादी का भी सभी श्रद्धालुओं तथा आगंतुकों ने लाभ लिया। हजारों संख्या में कन्याओं का चरण पूजन महा प्रसादी भी रखी गई। इसके साथ ही नौ वैदिक पंडितों द्वारा शतचण्डी महायज्ञ तथा संत समागम कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण रहे.

बिना सेफ्टी बेल्ट-हेलमेट काम करवा रहे थे, ठेकेदार और बिल्डिंग मालिक पर FIR

AC फिटिंग के दौरान किशोर की मौत

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर के एमजी रोड थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे में 15 वर्षीय किशोर की जान चली गई। स्नेहलतागंज स्थित श्री हरि बिल्डिंग में AC लगाने के दौरान किशोर ऊंचाई से गिर गया। गंभीर हालत में उसे एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक मृतक नैतिक उर्फ नारायण (15) पिता कमल चौहान, कुलकर्णी का भट्टा क्षेत्र का रहने वाला था। वह ठेकेदार मुकेश मोर्य के साथ AC फिटिंग का काम कर रहा था। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह बिल्डिंग से नीचे गिर गया। जांच में सामने आया है कि नैतिक नाबालिग था, इसके बावजूद उससे ऊंचाई पर काम कराया जा रहा था। काम के दौरान उसकी सुरक्षा के लिए न तो सेफ्टी बेल्ट दी गई थी और न ही हेलमेट पहनाया गया था। पुलिस का कहना है कि यदि सुरक्षा मानकों का पालन किया जाता तो इस हादसे को टाला जा सकता था। मामले में ठेकेदार मुकेश मोर्य और बिल्डिंग मालिक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

सुनसान सड़क पर हमला, युवक को पीटकर मोबाइल-नकदी लूटी

इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र में देर रात एक युवक से लूट की वारदात सामने आई है। एक्टिवा सवार तीन अज्ञात बदमाशों ने रास्ता रोककर पहले मारपीट की और फिर मोबाइल, बैग व नकदी लूटकर फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक फरियादी राहुल सिंह लोधी, जो वर्तमान में कुशवाह नगर क्षेत्र में रहते हैं, रात करीब 1:40 बजे इंदौर कॉन्वेंट स्कूल के पास से गुजर रहे थे। तभी पीछे से आए एक्टिवा सवार तीन बदमाशों ने उनकी गाड़ी के सामने वाहन लगाकर रास्ता रोक लिया। आरोपियों ने राहुल से सामान देने को कहा।

पुलिस ने केस दर्ज किया

मना करने पर तीनों ने उनके साथ थप्पड़-मुक्कों से मारपीट की, जिससे उनके होंठ के अंदर चोट आई। इसके बाद बदमाशों ने उनका काले रंग का बैग छीन लिया, जिसमें कपड़े, आधार कार्ड और पैन कार्ड रखा था। इतना ही नहीं, आरोपियों ने उनकी जेब में रखे 3 से 4 हजार रुपए और हाथ में रखा मोबाइल फोन भी छीन लिया। वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामले में लूट की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

रामनवमी पर भक्ति का महासागर, तालाब चौक से शुरुआत, महाआरती के बाद बढ़ा चल समारोह

10 हजार श्रद्धालुओं के साथ निकला भव्य जुलूस

संवाददाता ● खरगोन

खरगोन में रामनवमी के पावन अवसर पर भगवान श्रीराम का भव्य जुलूस तालाब चौक से दोपहर 2:30 बजे महाआरती के बाद प्रारंभ हुआ। पूरे शहर में जय श्रीराम केजयकारों के साथ धार्मिक उत्साह देखने को मिला।

15 झांकियां, 4 अखाड़ों का प्रदर्शन

जुलूस में 15 आकर्षक झांकियां, डीजे, ढोल- ताशों की धूम और 4 अखाड़ों के हैरतअंगेज प्रदर्शन ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। शहर सहित आसपास के 8 हजार से अधिक श्रद्धालु भक्ति गीतों पर नृत्य करते हुए शामिल हुए। इस दौरान पूर्व मंत्री व खरगोन विधायक बालकृष्ण पाटीदार, पुर्व जिलाध्यक्ष राजेन्द्र राठौड़ कलेक्टर भव्या मित्तल और एसपी डॉ. रविंद्र वर्मा ने भगवान श्रीराम की आरती कर आशीर्वाद लिया और जुलूस में शामिल होकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पिछले वर्षों की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए इस बार प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। जुलूस की सुरक्षा के लिए 400 से अधिक पुलिसकर्मी, वन विभाग और अन्य विभागों के कर्मचारी तैनात किए गए हैं। चप्पे- चप्पे पर ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जा रही है।

शॉट न्यूज

मंडला में दो बाइक की टक्कर, युवक की मौत

मंडला। मंडला जिले के निवास थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना निवास-बरेला मार्ग पर ग्राम गुंदलई के पास दो बाइक की टक्कर से हुई। डिंडोरी जिले के शहपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम बिछिया निवासी पति-पत्नी बाइक से ग्राम भलवारा स्थित जमुनेश्वरी धाम में जवारे पूजन के लिए गए थे। वापसी के दौरान ग्राम गुंदलई के पास उनकी बाइक की एक अन्य बाइक से टक्कर हो गई। इस टक्कर में पति-पत्नी और दूसरी बाइक पर सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को निवास अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद पति को मृत घोषित कर दिया।

शादी में जानलेवा हमले करने वाला 5वां आरोपी गिरफ्तार

बालाघाट। बालाघाट की कोतवाली पुलिस ने जानलेवा हमले के मामले में फरार चल रहे आरोपी भागचंद मोहारे (47) को शुक्रवार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर दिया है। यह विवाद एक शादी समारोह में खाने की प्लेट टकराने जैसी मामूली बात पर शुरू हुआ था। पुलिस इस मामले में एक नाबालिग समेत चार अन्य आरोपियों को पहले ही जेल भेज चुकी है। यह पूरी घटना 17 मार्च की रात भटेरा में एक रिसेप्शन पार्टी के दौरान हुई थी। वहां कीर्ति मोहारे की खाने की प्लेट गलती से भागचंद मोहारे से टकरा गई थी। इसी बात पर विवाद इतना बढ़ा कि भागचंद, अरुण और सुशील ने कीर्ति के साथ गाली-गलौज और मारपीट कर दी। विवाद यहीं खत्म नहीं हुआ।

चलती कार में लगी आग, एसपी बंगले के पास हादसा

जबलपुर। सिविल लाइन स्थित एसपी बंगले के पास शुक्रवार शाम करीब 5 बजे उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक चलती सफेद कार में अचानक आग लग गई। आग लगते ही कार सवार लोग तुरंत वाहन से उतरकर सुरक्षित दूरी पर चले गए। देखते ही देखते कार में आग तेज हो गई, जिससे मौके पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। वहां से गुजर रहे लोगों ने भी अपनी गाड़ियां दूर खड़ी कर लीं। इसी दौरान एसपी बंगले में तैनात पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत आग बुझाने की कोशिश शुरू की। जानकारी के मुताबिक, सफेद रंग की ब्रेजा कार (MP 20 ZJ 0374) लोहिया पुल से सिविल लाइन की ओर जा रही थी। जैसे ही कार एसपी बंगले के पास पहुंची, उसमें अचानक आग लग गई। चालक ने तुरंत समझदारी दिखाते हुए कार रोकी और बाहर निकल गया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने फायर एक्सटिंग्विशर और पानी की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया।

PM की मिमिक्री करने वाले टीचर के सस्पेंशन पर रोक

हाईकोर्ट ने कहा- दबाव में कार्रवाई न करें अधिकारी

संवाददाता ● ग्वालियर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मिमिक्री वाले वीडियो पर सस्पेंड किए गए शिक्षक को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ से राहत मिली है। कोर्ट ने कहा कि सस्पेंशन का अधिकार होना पर्याप्त नहीं, उसका इस्तेमाल विवेकपूर्ण और ठोस आधार पर होना चाहिए। अदालत ने निलंबन आदेश पर रोक लगाते हुए मामले को दोबारा विचार के लिए संबंधित अधिकारी के पास भेज दिया। मामला शिवपुरी जिले के प्राथमिक शिक्षक साकेत कुमार पुरोहित का है, जिन्हें 13 मार्च 2026 को फेसबुक पर वीडियो पोस्ट करने के बाद निलंबित किया गया था। वीडियो में उन्होंने गैस सिलेंडर के बढ़ते दामों पर टिप्पणी करते हुए प्रधानमंत्री की मिमिक्री की थी।

याचिकाकर्ता ने कहा- वीडियो आपत्तिजनक नहीं

पिछोर से भाजपा विधायक प्रीतम लोधी की शिकायत के बाद विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए शिक्षक को निलंबित कर बीईओ कार्यालय बदरवास से अटैच कर दिया। याचिका में शिक्षक की ओर से कहा गया कि वीडियो में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं था और बिना स्वतंत्र जांच के जल्दबाजी में कार्रवाई की गई।

मिमिक्री करते हुए शिक्षक ने प्रधानमंत्री के अंदाज में कहा- "मेरे प्यारे भाइयों-बहनों गैस के दाम कम हुए? नहीं हुए बढ़े? बढ़ गए। भाइयों-बहनों, गैस की रोटी खाने से पेट में भी गैस बनती है। अगर पेट में गैस बनेगी तो आप बीमार पड़ जाएंगे, और अगर आप बीमार पड़ेंगे तो देश भी बीमार पड़ जाएगा" "इसलिए गैस के दाम बढ़ने से अब आम आदमी भी चूल्हे की रोटी खाएगा और अमीर भी और अमीर-गरीब के बीच की खाई कम हो जाएगी, भाइयों-बहनों"

सरकार की कोर्ट में दलील- निलंबन सजा नहीं

सुनवाई के दौरान शासन ने दलील दी कि निलंबन सजा नहीं, बल्कि जांच को निष्पक्ष रखने के लिए एक अंतरिम कदम है। हालांकि, न्यायमूर्ति आशीष श्रोती की एकल पीठ ने टिप्पणी की कि सस्पेंशन का इस्तेमाल सोच-समझकर होना चाहिए, केवल अधिकार होना पर्याप्त नहीं है। अदालत ने यह भी माना कि शिकायत के तुरंत बाद की गई कार्रवाई से अधिकारी की स्वतंत्र सोच पर सवाल उठते हैं और 2005 के शासन निर्देशों का भी पालन नहीं हुआ। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया आदेश को त्रुटिपूर्ण मानते हुए उस पर रोक लगा दी और निर्देश दिए कि सभी तथ्यों और नियमों को ध्यान में रखकर नए सिरे से निर्णय लिया जाए।

रेवाड़ी पुलिस ने MP का साइबर ठग किया गिरफ्तार

रेवाड़ी। रेवाड़ी जिला पुलिस ने मध्य प्रदेश के साइबर ठग को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने यूपी के कंपनी कर्मी को फोन पर मैसेज भेजकर भाई के फर्जी एक्सीडेंट की सूचना दी। घायल को अस्पताल में भर्ती करवाने के नाम पर 80 हजार रुपए खाते में ट्रांसफर करवाने के बाद फोन बंद कर दिया। जिससे कंपनी कर्मी को ठगी का अहसास हुआ। जिसकी शिकायत साइबर पुलिस को दी। आरोपी की पहचान मध्य प्रदेश के जिला रायसेन के मोहल्ला मंडी दीप के क्रिश साहु के रूप में हुई है। मामले में तीन आरोपी पहले गिरफ्तार किए जा चुके हैं। मूलरूप से यूपी के शीतलपुर हाल बावल के जितेंद्र ने 30 मई को पुलिस को शिकायत दी। जिसमें बताया कि 22 मई को उसके फोन पर मैसेज भेजकर उसके भाई के एक्सीडेंट होने और 80 हजार रुपए भेजने की सूचना दी।

सागर के जंगल में मिले घायल काले हिरण की मौत

सागर। सागर के बांदरी वन परिक्षेत्र के बहरोल के जंगल के पास घायल अवस्था में मिले काले हिरण की इलाज के दौरान मौत हो गई है। सूचना पर वन विभाग की टीम ने काले हिरण के शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हिरण की मौत के कारण का खुलासा हो सकेगा। जानकारी के अनुसार, बांदरी वन परिक्षेत्र के बहरोल इलाके में 18 मार्च को काला हिरण घायल अवस्था में मिला था। हिरण जंगल से होते हुए खेतों में पहुंच गया था। वह चल नहीं पा रहा था। पीछे के पैरों में चोटें होने से वह घिसट रहा था। ग्रामीणों ने घायल हिरण को देखा तो वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर काले हिरण का रेस्क्यू किया। उसे इलाज के लिए मालथौन पशु चिकित्सालय भेजा गया।

खंडवा कलेक्टर का एल-1 स्तर पर एक्शन

CM हेल्पलाइन में लापरवाही, 10 अफसरों पर जुर्माना

संवाददाता ● खंडवा

CM हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने एल-1 स्तर के 10 अधिकारियों पर 500-500 रुपए का अर्थदंड लगाया है।

दरअसल, समीक्षा के दौरान पाया गया कि शिकायतों को संबंधित अधिकारियों ने समय पर "अटेंड" ही नहीं किया, जिसके चलते वे पोर्टल पर "नॉट अटेंड" की स्थिति में बनी रहीं। इस गंभीर लापरवाही को देखते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर अर्थदंड की कार्रवाई की गई। प्रशासन ने सभी से जुर्माने की राशि भी वसूल कर ली है। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज हर शिकायत को प्राथमिकता से लिया जाए और तय समय-सीमा में उसका निराकरण कर पोर्टल पर जवाब दर्ज किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में भी लापरवाही सामने आने पर इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

इन अधिकारियों पर गिरी गाज

कार्रवाई की जद में आने वालों में खंडवा ब्लॉक के कृषि अधिकारी दिनेश सोलंकी, पंधाना मंडी सचिव हरेसिंह सोलंकी, हरसूद के कृषि अधिकारी कृष्णलाल कनासे, छैगांवमाखन के कृषि अधिकारी मंगलेश पटेल, जनपद पंचायत पुनासा के सीईओ अभिषेक त्रिवेदी, पंधाना के बाल विकास परियोजना अधिकारी रुपसिंह सिसोदिया, मांधाता तहसीलदार नरेंद्र मुवेल, मोहना नायब तहसीलदार गजानंद चौहान, अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक गणेश तईकर और ब्लॉक शिक्षा अधिकारी श्रीराम भुसारिया शामिल हैं।

मंदसौर में बुजुर्ग की पत्थरों से कुचलकर निर्मम हत्या

संवाददाता ● मंदसौर

मंदसौर जिले के सीतामऊ थाना क्षेत्र अंतर्गत साखतली गांव में शुक्रवार को खेत से घर लौट रहे एक बुजुर्ग की पत्थरों से कुचलकर निर्मम हत्या कर दी गई।

जानकारी के अनुसार, बुजुर्ग साइकिल से अपने खेत से घर लौट रहे थे। इसी दौरान सुनसान इलाके में पहले से घात लगाए बैठे हमलावरों ने उन्हें रोका और पत्थरों से सिर कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। उनकी पहचान नहीं हो सकी है।

फोरेंसिक और डॉग स्क्वॉड ने किया निरीक्षण

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक एक्सपर्ट्स तथा डॉग स्क्वॉड की मदद से साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में सर्चिंग अभियान भी चला रही है।

फिलहाल मृतक के शव का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। इसके बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। सीतामऊ पुलिस का कहना है कि हत्या के पीछे के कारणों की गहन जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों का पता लगाकर मामले का खुलासा किया जाएगा।

लोट लगाकर कलेक्ट्रेट पहुंचा था बुजुर्ग

शंकरलाल पूर्व में भी अपने जमीन विवाद को लेकर प्रशासन के पास गुहार लगा चुका था। जुलाई 2024 में उसने मंदसौर कलेक्टर कार्यालय में 'लोट लगाकर' न्याय की मांग की थी। उसका आरोप था कि उसकी जमीन की गलत तरीके से रजिस्ट्री करवाई गई है और उसे प्रशासन से न्याय चाहिए। उसी दौरान जमीन खरीददार अश्विन देशमुख ने दावा किया था कि उसने शंकरलाल के भाई के हिस्से की जमीन खरीदी है, जिस पर शंकरलाल ने अवैध कब्जा कर रखा है। उसने अपने पक्ष में दस्तावेज भी प्रस्तुत किए थे। मामले को तत्कालीन कलेक्टर दिलीप यादव ने संज्ञान में लिया था। जहां एक ओर शंकरलाल का कहना था कि वह कभी कोर्ट नहीं गया, वहीं दूसरी ओर अश्विन देशमुख का दावा था कि शंकरलाल जिला कलेक्टर कार्यालय और एसडीएम न्यायालय में यह मामला हार चुका है।

डिंडौरी में श्रद्धालु जवारे विसर्जन को चले:रामनवमी पर शोभायात्रा निकली, राम-लक्ष्मण, सीता की झांकी दिखी

डिंडौरी। डिंडौरी में शुक्रवार को रामनवमी का पर्व बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर बजरंग दल ने भगवान राम की शोभायात्रा निकाली। वहीं, नवरात्रि के नौवें दिन श्रद्धालुओं ने सिर पर जवारे रखकर बैंड-बाजे के साथ नर्मदा घाट की ओर विसर्जन के लिए प्रस्थान किया। बजरंग दल की यह शोभायात्रा मंडला बस स्टैंड से शुरू हुई। इसमें एक खास रथ पर भगवान राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान की वेशभूषा में सजे कलाकार बैठे थे। यात्रा में जेसीबी मशीनें और ट्रैक्टर भी शामिल थे, जिनके पीछे डीजे की धुन पर युवा बाइक रैली निकालते हुए चल रहे थे। बजरंग दल के सदस्य विनय मिश्रा ने इस मौके पर कहा कि भगवान राम का चरित्र हमें जीवन जीने का सही तरीका सिखाता है।

उज्जैन में बारातियों से भरी बस पलटी, 15 घायल

संवाददाता ● उज्जैन

उज्जैन के इंगोरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत जहांगीरपुर गांव के पास शुक्रवार को एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। इंदौर से खाचरोद जा रही बारातियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दुर्घटना में लगभग 18 लोग घायल हो गए।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, जिस स्थान पर यह हादसा हुआ, वहां इन दिनों सड़क निर्माण कार्य चल रहा है। बताया जा रहा है कि इसी दौरान ओवरटेक करने के प्रयास में बस चालक का संतुलन बिगड़ गया, जिससे बस पलट गई। हादसे के वक्त बस में बड़ी संख्या में बाराती सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंच गया। सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, इंगोरिया लाया गया, जहां CMHO, SDM, SDOP, BMO, तहसीलदार और नायब तहसीलदार सहित चिकित्सा अधिकारी मौजूद रहे। इंगोरिया थाना प्रभारी दीपेश व्यास भी अपनी टीम के साथ मौके पर तैनात रहे। चिकित्सकों द्वारा सभी घायलों को समय रहते प्राथमिक उपचार दिया गया। गंभीर स्थिति को देखते हुए 8 घायलों को उज्जैन रेफर किया गया है, जिनमें से 2 को सिर में गंभीर चोट (हेड इंजरी) बताई जा रही है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। राहत और बचाव कार्य में स्थानीय लोगों ने भी अहम भूमिका निभाई और बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने में मदद की।

हथियार, लूटी बाइक जब्त; मोबाइल खरीदने वाला भी पकड़ा गया, साथी फरार

लूट-झपटमारी का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता ● अशोकनगर

अशोकनगर जिले में लूट और झपटमारी की घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से 315 बोर का कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस ने झपटमारी में छीना गया मोबाइल खरीदने वाले आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है।

एसपी राजीव कुमार मिश्रा के निर्देश पर थाना देहात पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में प्रभावी कार्रवाई की। 24 मार्च की शाम छपराई-नारायणपुर रोड पर बदमाशों ने बड़े राजा यादव (23) से कट्टा दिखाकर उनकी प्लेटिना मोटरसाइकिल लूट ली थी। उसी दिन भड़ूली रोड पर अमन जाटव (19) से रियलमी मोबाइल छीन लिया गया था। दोनों मामलों में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ थाना देहात में प्रकरण दर्ज किया गया था।

दो वारदातें करना स्वीकार किया

थाना प्रभारी भुवनेश शर्मा की टीम ने मुखबिर की

सूचना पर परासरी-रिजौदा रोड से आरोपी कृष्णपाल उर्फ गोंदा (24), निवासी छपराई माफी को गिरफ्तार किया। उसके पास से अवैध कट्टा और दो जिंदा राउंड बरामद हुए। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी धर्मवीर परिहार के साथ मिलकर दोनों वारदातें करना स्वीकार किया।

आरोपी की निशानदेही पर लूटी गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई है। झपटमारी में छीना गया मोबाइल आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर रामवीर परिहार को मात्र 1000 रुपए में बेच दिया था। पुलिस ने रामवीर को गिरफ्तार कर उसके पास से मोबाइल जब्त कर लिया है। मामले में संबंधित धाराएं बढ़ाई गई हैं।

मुख्य आरोपी का साथी धर्मवीर परिहार अभी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। गिरफ्तार आरोपी कृष्णपाल उर्फ गोंदा पर चोरी, मारपीट और अवैध हथियार रखने के कई मामले पहले से दर्ज हैं।

शॉट न्यूज

वन्यजीवों को बेचा, खरीदा या पाला तो 7 वर्ष की जेल

भोपाल। मध्य प्रदेश में प्रतिबंधित वन्यजीवों की अवैध बिक्री और पालन को रोकने के लिए वन विभाग ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने साफ कहा है कि ऐसे मामलों में कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हाल ही में फरवरी 2026 में स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स और वन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में 313 जीवित कछुए जब्त किए गए थे। ये कछुए अनुसूची-1 प्रजाति के थे, जिनका व्यापार पूरी तरह प्रतिबंधित है। इस मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और एक संगठित गिरोह का भी खुलासा हुआ। वन विभाग ने बताया कि वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत प्रतिबंधित जीवों का शिकार करना, खरीदना, बेचना, पालना या उनका परिवहन करना अपराध है। इसके बावजूद कुछ पेट शॉप और एक्वेरियम दुकानों में कछुए, पक्षी और अन्य जीवों की अवैध बिक्री की शिकायतें मिल रही हैं।

9 प्रकरण में FIR, 2888 एलपीजी सिलिंडर जब्त

भोपाल। ईरान के साथ अमेरिका-इजराइली की लड़ाई के बीच प्रदेश में पेट्रोल-डीजल और गैस की किल्लत को लेकर अटकलें लग रही है। इस बीच सोशल मीडिया पर अफवाहों के कारण जनता भी परेशान हैं। हालांकि सरकार लगातार कर रही है कि प्रदेश में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक हैं। इसका फादया उठा कर लोग कालाबाजारी भी कर रहे हैं। इसके चलते प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिये निरंतर कार्यवाही की जा रही है। अभी तक 2046 स्थानों पर जांच की गई और 2888 एलपीजी सिलिंडर जब्त किये गए तथा 9 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि मध्यप्रदेश में एलपीजी (LPG), पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

सीएम मोहन यादव दिल्ली से लौटकर छिंदवाड़ा गए

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव सड़क दुर्घटना में घायलों से मिलने के लिए छिंदवाड़ा जाएंगे। सीएम दोपहर में नई दिल्ली से लौटकर छिंदवाड़ा पहुंचेगे। इससे पहले देर रात प्रदेश के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। गुरुवार शाम छिंदवाड़ा-नागपुर रोड पर दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें 10 लोगों की मौत हुई और कई लोग घायल हुए। बस में सवार लोग पाढुर्ना में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से लौट रहे थे, तभी बस और पिकअप में जोरदार टक्कर हो गई। दुर्घटना के बाद मुख्यमंत्री ने प्रभारी मंत्री राकेश सिंह को तुरंत छिंदवाड़ा भेजा। मंत्री राकेश सिंह ने जिला अस्पताल में घायलों से मुलाकात की, चिकित्सकों और प्रशासन को बेहतर इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री मोहन यादव भी शुक्रवार दोपहर छिंदवाड़ा पहुंचकर घायलों से मुलाकात की और उपचार की जानकारी ली।

सीएम ने राम नवमी पर प्रदेशवासियों को दीं शुभकामनाएं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राम नवमी के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर उन्होंने भगवान श्रीराम के जीवन और उनके आदर्शों पर जोर देते हुए कहा कि उनका जीवन संयम, समर्पण और सत्य के मार्ग का उदाहरण है। डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम ने कठिन परिस्थितियों में भी अनाचार का विरोध किया और जीवन की चुनौतियों का साहस के साथ सामना किया। उन्होंने यह भी बताया कि मध्य प्रदेशवासियों के लिए यह गर्व की बात है कि अयोध्या की तरह चित्रकूट धाम और ओरछा तीर्थ यहाँ स्थित हैं, जो मर्यादा पुरुषोत्तम राम के जीवन और योगदान का स्मरण कराते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम के आदर्श सदैव मानवता के पथ-प्रदर्शक बने रहेंगे।

कुठार में हादसा, आग पर काबू करने के लिए दौड़े लोग

15 एकड़ गेहूं की फसल आग से राख

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल के कुठार गांव में शुक्रवार को खेत में गेहूं की 15 एकड़ फसल आग में जलकर राख हो गई। जिन खेतों में आग लगी, उसके आसपास सैकड़ों एकड़ जमीन है और गेहूं की फसल खड़ी हुई थी। आग वहां तक न पहुंचे, इसलिए 50 से ज्यादा लोग दौड़ पड़े। ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से पानी लाकर उन्होंने आग पर काबू पाया। जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट भी आग को काबू करने के लिए मशक्कत करते हुए नजर आए।

उपाध्यक्ष जाट ने बताया कि आगजनी की घटना शुक्रवार की दोपहर में हुई। यदि समय रहते आग काबू में नहीं आती तो बड़ा नुकसान हो जाता, क्योंकि इन खेतों से ही आसपास के 4 से 5 गांव के किसानों के खेत लगे हुए हैं। आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं हुई है। तेज हवा की वजह से आग तेजी से फैल रही थी। इससे पहले गुरुवार की देर रात जिला प्रशासन ने भोपाल में पराली जलाने पर रोक लगा दी। एडीएम सुमित कुमार पांडेय ने आदेश जारी किया। इसके मुताबिक, अगले 3 महीने तक पराली यानी, नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। उल्लंघन करने पर थाने में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। NGT (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) के आदेश का पालन करते हुए यह रोक लगाई गई है, जो पूरे भोपाल जिले में लागू रहेगी। एडीएम पांडेय ने सभी एसडीएम को पराली जलाने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। वर्तमान में कई किसान गेहूं की कटाई में लगे हैं। इस कारण खेतों में पराली जलाने की घटनाएं बढ़ रही हैं। कई किसान फसल काटने के बाद खेतों में आग लगा देते हैं। इससे भूमि की उर्वरा शक्ति भी खत्म हो रही है। इसलिए एडीएम ने यह आदेश जारी किया है।

आदेश में यह

- खेत की आग के अनियंत्रित होने पर जनसंपत्ति एवं प्राकृतिक वनस्पति, जीव-जन्तु नष्ट हो जाते हैं। जिससे नुकसान होता है।
- खेत की मिट्टी की उर्वरा शक्ति खत्म हो जाती है। जिससे उत्पादन प्रभावित होता है।
- खेत में पड़ा कचरा, भूसा, डंठल सड़ने के बाद भूमि को प्राकृतिक रूप से उपजाऊ बनाते हैं। इन्हें जलाकर नष्ट करना ऊर्जा को नष्ट करना है। आग लगाने से हानिकारक गैसों का उत्सर्जन होता है। जिससे पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।
- जिले में कई किसान रोटावेटर एवं अन्य साधनों से डंठल खेत से हटा रहे हैं। यह सुविधा जिले में उपलब्ध हो गई है।

जून तक रहेगा आदेश

एडीएम ने यह आदेश अगले 3 महीने यानी, जून तक लगाया है। तब भोपाल में मानसून एक्टिव हो जाता है। इससे पराली जलाने की घटनाएं नहीं होती है। एडीएम ने आदेश में लिखा कि यह एक पक्षीय पारित किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से प्रभावशील होगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

भोपाल में निर्माणाधीन बिल्डिंग का छज्जा गिरा, 8 घायल

भोपाल एम्स के सामने हादसा, 35 साल पुराने भवन के ऊपर बन रही थी बिल्डिंग

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल में शुक्रवार एम्स के सामने एक निर्माणाधीन बिल्डिंग का छज्जा गिर गया। हादसे में नीचे खड़े करीब 8 लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार यह सडाना मेडिकल स्टोर की चार मंजिला इमारत बन रही है। नीचे मेडिकल स्टोर संचालित हो रहा था। एम्स में आए मरीज और उनके परिजन दवाई लेने के लिए यहां पहुंचे थे, तभी यह हादसा हो गया।

हादसे के बाद एम्स में कुल आठ घायल पहुंचे थे। इनमें से तीन को प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है, जबकि पांच मरीज अभी भी भर्ती हैं। इनमें 23 साल की नंदिनी की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें एम्स भोपाल के ट्रॉमा ब्लॉक के रेड ट्रायज में भर्ती किया गया है। नंदिनी के शरीर पर एंगल लगने से गहरा घाव हुआ है। फिलहाल डॉक्टर उनकी लगातार निगरानी कर रहे हैं। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिल्डिंग का कुछ हिस्सा अवैध है और नगर निगम को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए।

पुराने भवन पर बन रही थी बिल्डिंग

करीब 35 साल पुराना भवन है। यहां मेडिकल स्टोर संचालित हो रहा है। इसके ठीक ऊपर 3 मंजिल का और निर्माण चल रहा है। जो सेटिंग, छज्जा गिरा है,वो काफी बाहर निकला हुआ था। यह शेड के ऊपर गिरा है। इससे शेड भी ढह गया।

एम्स में भर्ती ये 5 घायल

करेली निवासी नंदिनी (23) को गंभीर चोट आई है। लोहे का एंगल उनके पैर में घुस गया था। सिर और हाथ में भी गहरे घाव हैं। उनका सीटी स्कैन कराया जा रहा है। वे ओपीडी में दिखाने के बाद दवा लेने मेडिकल स्टोर पहुंची थीं।

- अमरई निवासी मनोज कुमार (56) के शरीर पर कई जगह चोटें आई हैं।
- करेली निवासी तनुश्री (19) के सिर और हाथ में चोट आई है।
- ग्वालियर निवासी अभय के सीने और कंधे पर लोहे का एंगल गिरा, जिससे उन्हें चोट आई है। उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।
- उमरिया निवासी सोमप्रकाश सिंह (61) भी हादसे में घायल हुए हैं। डॉक्टर उनकी जांच कर रहे हैं।

प्रॉपर्टी खरीदने की होड़, रेट बढ़ने से पहले रजिस्ट्री ऑफिसों में उमड़ी भीड़

संवाददाता ● भोपाल

राजधानी भोपाल में प्रॉपर्टी के बढ़ते दामों की आहट के बीच रजिस्ट्री कार्यालयों में इन दिनों भारी भीड़ देखने को मिल रही है। कलेक्टर गाइडलाइन में संभावित बढ़ोतरी से पहले लोग तेजी से जमीन और मकानों के सौदे फाइनल कर रहे हैं। वहीं, नवरात्र के शुभ मुहूर्त ने इस खरीदारी को और गति दे दी है।

दाम बढ़ने से पहले सौदे फाइनल करने की होड़

जानकारी के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तावित नई गाइडलाइन में जिले की कई लोकेशन पर प्रॉपर्टी रेट बढ़ने वाले हैं। औसतन 10 से 12 प्रतिशत तक वृद्धि की संभावना जताई जा रही है, जबकि कुछ इलाकों में यह बढ़ोतरी 30% से लेकर 150% तक हो सकती है। ऐसे में लोग मौजूदा दरों पर ही रजिस्ट्री कराने के लिए बड़ी संख्या में पंजीयन कार्यालय पहुंच रहे हैं।

नवरात्र का शुभ मुहूर्त बना बड़ा फैक्टर

चैत्र नवरात्र के चलते भी प्रॉपर्टी बाजार में खासा उत्साह देखा जा रहा है। मान्यता के अनुसार इस दौरान संपत्ति खरीदना शुभ माना जाता है, जिसका असर रजिस्ट्री कार्यालयों में साफ नजर आ रहा है। सुबह से लेकर देर शाम तक लोगों की कतारें लगी हुई हैं।

छुट्टियों में भी खुले रहे दफ्तर

भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने अवकाश के दिनों में भी रजिस्ट्री कार्यालय खोलने का फैसला किया। शनिवार और रविवार को भी बड़ी संख्या में रजिस्ट्रियां की गईं। कर्मचारियों को अतिरिक्त समय तक काम करना पड़ा, वहीं सर्वर पर भी दबाव बढ़ा।

हर तरह की प्रॉपर्टी की डिमांड

इस दौरान फ्लैट, प्लॉट, डुप्लेक्स, फार्म हाउस और कृषि भूमि हर श्रेणी की प्रॉपर्टी की खरीदारी हो रही है। खासकर शहर के विस्तार वाले इलाकों में निवेशकों की रुचि ज्यादा देखी जा रही है। रजिस्ट्री कार्यालय के अधिकारियों को कहना है कि रेट बढ़ाने वाले हैं इसलिए ज्यादा संख्या में लोग पहुंच रहे हैं हालांकि उनका कहना कि नवरात्र में लोग प्रॉपर्टी खरीदी ज्यादा करते हैं।

राजस्व में भी जबरदस्त उछाल

रजिस्ट्री की बढ़ती संख्या के चलते सरकार के राजस्व में भी बड़ा इजाफा हुआ है। नवरात्र के शुरुआती 8 दिनों में ही हजारों रजिस्ट्रियां दर्ज की गईं, जिस से करोड़ों रुपए की आमदनी हुई है। अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार महज 8 दिनों में रजिस्ट्री कार्यालयों में कुल 4979 प्रॉपर्टी रजिस्ट्रियां दर्ज की गईं। इससे सरकार को करीब 119.2 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। अगर औसतन देखा जाए तो प्रतिदिन लगभग 14.9 करोड़ रुपए की कमाई हुई, जो प्रॉपर्टी बाजार में बढ़ती गतिविधियों और निवेश के उत्साह को साफ दर्शाती है।

ईदगाह मस्जिद में टावर पर बवाल

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल की ऐतिहासिक ईदगाह मस्जिद की पार्किंग में मोबाइल टावर निर्माण को लेकर शुक्रवार को विवाद की स्थिति बन गई। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) के कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर काम का विरोध किया और वहां काम कर रही लेबर को रोक दिया। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

बताया जा रहा है कि यह निर्माण कार्य सभी आवश्यक अनुमति के साथ किया जा रहा था और मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड ने भी इसकी मंजूरी दी है। इसके बावजूद बिना अनुमति धरना प्रदर्शन की कोशिश को लेकर स्थिति तनावपूर्ण हो गई। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को समझाइश देने का प्रयास किया, लेकिन इस दौरान एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली खान और कार्यकर्ताओं की पुलिस अधिकारियों से तीखी बहस हो गई। कार्यकर्ताओं ने काम बंद रखने का दबाव बनाया और बात नहीं मानने पर धरना देने की चेतावनी दी। शाहजहांनाबाद एसीपी अनिल बाजपेयी ने स्पष्ट किया कि शहर में बिना अनुमति धरना-प्रदर्शन प्रतिबंधित है। यदि नियमों का उल्लंघन किया गया तो वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, मोहसिन अली खान ने कहा कि वक्फ संपत्तियों की हिफाजत करना उनका फर्ज है। उन्होंने आरोप लगाया कि वक्फ बोर्ड द्वारा टेंडर जारी कर एयरटेल को टावर लगाने की अनुमति दी गई है, जिसका विरोध किया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि वक्फ की जमीन का एक इंच भी किसी को नहीं लेने दिया जाएगा और इसके लिए कानूनी लड़ाई भी लड़ी जाएगी। मोहसिन का कहना है कि वक्फ के मदरसों, मसाजिद, खानकाह और कब्रिस्तानों की एक इंच जमीन भी किसी को नहीं लेने दी जाएगी। यह हमारी अमानत है और इसकी हिफाज़त के लिए हर कीमत चुकानी पड़े तो भी पीछे नहीं हटेंगे।

ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत : भोपाल में ट्रैक पार करते समय हादसा, भाई से मिलने जा रहे थे

इशरत अली, मृतक

भोपाल। भोपाल के ऐशबाग इलाके में रहने वाले बुजुर्ग की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। वे रेलवे ट्रैक को पार कर रहे थे। तभी हादसे का शिकार हुए। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरु कर दी है। 65 वर्षीय इशरत अली ओल्ड सुभाष नगर के रहने वाले थे। शुक्रवार सुबह 8:30 बजे बाग फरहत अफजा में रहने वाले अपने भाई से मिलने जा रहे थे। इस वक्त थाने के करीब पटरी पार करते समय उन्हें एक ट्रेन ने चपेट में ले लिया। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इशरत पूर्व में टेलरिंग वर्क करते थे हालांकि इन दिनों में घर में ही रहते थे।

PCC चीफ का कड़ा विरोध बोले- आदेश वापस लो

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश में बिजली दरों में प्रस्तावित 4.80% बढ़ोतरी को लेकर सियासत गरमा गई है। जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को तीखा पत्र लिखते हुए इस फैसले को जनविरोधी करार दिया है और तत्काल वापस लेने की मांग की है। साथ ही साफ चेतावनी दी है कि अगर निर्णय नहीं बदला गया, तो कांग्रेस प्रदेशभर में उग्र विरोध प्रदर्शन करेगी।

अपने पत्र में PCC चीफ ने सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि 1 अप्रैल से लागू होने वाली यह बढ़ोतरी आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने वाली है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनसेवा" के बजाय सरकारी वसूली के मॉडल पर काम कर रही है, जबकि पहले से ही महंगाई से लोग परेशान हैं। पत्र में यह भी कहा गया कि पिछले एक दशक में प्रदेश में बिजली दरें 22 से 24% तक बढ़ चुकी हैं। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 0-50 यूनिट की दर में भी 20% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा हर महीने FPPAS (फ्यूल सरचार्ज) के नाम पर अतिरिक्त भार डाला जा रहा है, जिससे आम उपभोक्ता की जेब पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। पत्र में सरकार द्वारा ईवी चार्जिंग पर दी जा रही 20% छूट को भी "भ्रम" बताया गया है। कांग्रेस का कहना है कि प्रदेश में ईवी उपयोगकर्ताओं की संख्या सीमित है, ऐसे में इस छूट का लाभ आम जनता तक नहीं पहुंचता।

शव के पास मिला इंजेक्शन और सिरिंज, भोपाल पुलिस ने शुरू की जांच

एनेस्थीसिया का ओवरडोज लेकर सुसाइड

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल के भानपुर इलाके में रहने वाले मेल नर्स ने एनेस्थीसिया का इंजेक्शन लेकर सुसाइड कर लिया। शुक्रवार सुबह भाई ने देखने के बाद उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। सुसाइड नोट नहीं मिलने से खुदकुशी के सही कारण का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। शुक्रवार दोपहर को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

भाई के उठाने पर नहीं उठा

26 वर्षीय दुर्गेश अहिरवार पिता मोर सिंह अहिरवार मूल रूप से कुरवाई जिला विदिशा का रहने वाला था। फिलहाल भोपाल में रहकर प्राइवेट कॉलेज से बी फार्मेसी लास्ट ईयर की पढ़ाई कर रहा था। इसी के साथ एक प्राइवेट नर्सिंग होम में नर्सिंग जॉब भी करता था। शुक्रवार

दुर्गेश अहिरवार, मृतक

सुबह मृतक का बड़ा भाई परीक्षा देने के लिए घर से निकल रहा था। तभी उसने छोटे भाई को उठाना चाहा। कई बार आवाज देने पर भी उसके शरीर में किसी प्रकार की कोई हलचल नहीं हुई। आनन फानन में भाई उसे लेकर पास के एक अस्पताल में पहुंचा। जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। छोला थाने के सी जी एस सेंगर ने बताया कि मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। उसके मोबाइल फोन को कब्जे में ले लिया है, जिसकी जांच कराई जाएगी।

एनेस्थीसिया का ओवरडोज लेकर सुसाइड

पुलिस को मृतक के कमरे से एक इंजेक्शन और सिरिंज मिला है। जिसे जप्त कर लिया गया है। दुर्गेश ने एनेस्थीसिया का ओवरडोज लेकर आत्महत्या की है। उसने यह कदम क्यों उठाया इस बात का खुलासा नहीं हो सका है। पिछले 6 सालों से भोपाल में रहकर दुर्गेश पढ़ाई कर रहा था। दुर्गेश तीन भाइयों में सबसे छोटा था।

परिजन बोले कभी किसी तनाव का जिक्र नहीं किया

मृतक पटेल नगर स्थित भानपुर में किराए के कमरे में रहता था। ठीक पड़ोस वाले कमरे में बहन और बहनोई रहते थे। घटना के समय बहन और बहनोई घर में मौजूद नहीं थे। परिजनों ने पुलिस को दिए बयानों में बताया कि सुसाइड से पहले दुर्गेश ने कभी किसी परेशानी और तनाव का जिक्र नहीं किया। हालांकि पुलिस प्रेम प्रसंग सहित कार्य स्थल एवं कॉलेज में प्रताड़ना के एंगल पर जांच कर रही है।

संपादकीय

रिजर्व बैंक के लिए एक तरफ कुआं दूसरी तरफ खाई

भारतीय रिजर्व बैंक इन दिनों गहरे संकट में फंस गया है। रिजर्व बैंक यदि रुपए को बचाने की कोशिश करता है तो ऐसी स्थिति में वह खाई में गिरने की स्थिति में आता है, विदेशी मुद्रा के भंडार को यदि वह रुपए के बचाने में उपयोग करता है तो गहरे कुएं में गिरना तय है। रिजर्व बैंक को समझ नहीं आ रहा है कि वह किस तरह से स्थिति को संभाले। इजरायल-अमेरिका और ईरान के युद्ध ने भारतीय रिजर्व बैंक को बड़ी मुसीबत में डाल दिया है। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत 94 रुपए के स्तर पर पहुंच गई है। कारोबारी उद्योग जगत तथा कच्चे तेल, गैस इत्यादि के आयात के लिए विदेशी मुद्रा की सबसे बड़ी आवश्यक्ता देश को है। रुपए को गिरने से रोकने के लिए पहले भी रिजर्व बैंक ने बहुत सारी विदेशी मुद्रा खर्च कर दी है। वर्तमान अर्थव्यवस्था के लिए विदेशी मुद्रा भंडार भरा होना जरूरी है, लेकिन रिजर्व बैंक में इसकी स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। डॉलर की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। कच्चे तेल और गैस आयात को लेकर भी अतिरिक्त डॉलर की मांग बनी है। पहले रूस से जो कच्चा तेल और गैस आती थी उसका भुगतान डॉलर में नहीं होता था, लेकिन अब डॉलर के ऊपर सभी ओर से दबाव बढ़ता चला जा रहा है। जिसके कारण रिजर्व बैंक के विदेशी मुद्रा भंडार के लिए चुनौतियां बढ़ती चली जा रही हैं। सरकार का दबाव डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत को गिरने से रोकना है। पिछले कई महीने से रिजर्व बैंक डॉलर और विदेशी मुद्रा भंडार के जरिए रुपए की गिरावट को रोक रहा था, लेकिन अब विदेशी मुद्रा भंडार इस स्थिति में आकर खड़ा हो गया है कि अब रिजर्व बैंक ने पर्याप्त मात्रा में विदेशी भंडार और डॉलर को नहीं रखा तो स्थिति और भी खराब हो जाएगी। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि अगले कुछ महीने में डॉलर के मुकाबले रुपया 100 रुपये तक पहुंच सकता है। ऐसी स्थिति में देश की अर्थव्यवस्था को काफी बड़ा नुकसान होगा। कच्चे तेल और गैस का 60 फ़ीसदी से अधिक आयात इन दिनों डॉलर मुद्रा में हो रहा है। ईरान और रूस ने भी भारत को कच्चा तेल और गैस देना स्वीकार कर लिया है, लेकिन इसका भुगतान विदेशी मुद्रा में प्राप्त करने की शर्त लगा दी है। ऐसी स्थिति में रिजर्व बैंक को डॉलर और युआन का पर्याप्त भंडार बनाकर रखना होगा। यदि ऐसा नहीं हो पाया तो 1990 में जिस तरह से चंद्रशेखर सरकार को सोना गिरवी रखकर कच्चे तेल का आयात करना पड़ा था, वही स्थिति भविष्य में निर्मित हो सकती है। रिजर्व बैंक के आंकड़े बता रहे हैं की 13 मार्च तक उसके पास 710 अरब डॉलर का भंडार था, मार्च माह में विदेशी निवेशकों ने 12.01 अरब डॉलर जो भारतीय मुद्रा में लगभग 1.10 लाख करोड रुपए होता है वह निकाल लिया है। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा सोना, एसडीआर और आईएमएफ के जरिए प्राप्त होती है। विदेशी मुद्रा का भंडार अमेरिकी डॉलर यूरो, युआन और पाउंड पर निर्भर करता है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास विदेशी मुद्रा भंडार में 556 अरब डॉलर और 131 अरब डॉलर का सोना है। आरबीआई सोने को बेचता नहीं है, इस स्थिति में रिजर्व बैंक के पास डॉलर के मुकाबले रुपए में आ रही गिरावट को रोकने के लिए मात्र दो तरीके बचते हैं, पहला वह अपने विदेशी मुद्रा भंडार की मुद्राओं को बाजार में बेचे लेकिन इसका असर भारत की आर्थिक स्थिति पर पड़ेगा। दूसरा ब्याज दरों को बढ़ाना पड़ेगा। इससे रुपए की गिरावट कुछ समय के लिए थम सकती है। लेकिन जिस तरह की स्थिति बनी हुई है विदेशी मुद्रा के रूप में विदेश से जो राशि रिजर्व बैंक में आती थी उसमें बड़ी गिरावट आई है। युद्ध के कारण जिस तरह की स्थिति है उसके बाद उसको थाम पाना रिजर्व बैंक के लिए आसान नहीं रहा। डोनाल्ड ट्रंप जब अमेरिका के राष्ट्रपति बने थे तब भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 84 रुपए का था जो अब 94 रुपए के स्तर पर पहुंच गया है। पिछले 1 वर्ष में जिस तरह से अमेरिका ने भारत के ऊपर रुस से तेल और कच्चा तेल और गैस लेने पर प्रतिबंध लगाया था उसके बाद से भारत को सारा कच्चा तेल और गैस एवं अन्य सामग्री डॉलर में खरीदनी पड़ रही है, जिसके कारण विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति इन दिनों सबसे ज्यादा खराब है। रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय में आर्थिक विशेषज्ञों की कमी इस समस्या को और भी बढ़ा रही है। रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी तथा अन्य लोग जिस तरह के निर्णय ले रहे हैं, इसका असर अब भारतीय अर्थव्यवस्था में पढ़ता हुआ दिख रहा है। रिजर्व बैंक में जो आर्थिक विशेषज्ञ हैं उनका मानना है कि यदि यही प्रवाह बना रहा तो 4 से 6 महीने के अंदर 1991 वाली स्थिति विदेशी मुद्रा को लेकर फिर आ सकती है, जिसके कारण भारत का अर्थ संकट बड़ी तेजी के साथ बढ़ेगा।

दो टूक- वैश्विक संकट के बीच मानवता की अंतिम सुरक्षा-रेखा है ऊर्जा संरक्षण

लेखक - योगेश कुमार गोयल

आज जब विश्व एक बार फिर भू-राजनीतिक तनावों के दौर से गुजर रहा है और ईरान, अमेरिका तथा इजरायल के बीच टकराव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है, तब ऊर्जा केवल विकास का साधन नहीं बल्कि अस्तित्व का प्रश्न बन चुकी है। तेल और गैस के दामों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और ऊर्जा स्त्रोतों पर बढ़ती निर्भरता ने पूरी दुनिया को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि क्या आधुनिक सभ्यता ने अपनी बुनियाद अत्यधिक अस्थिर संसाधनों पर खड़ी कर दी है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं बल्कि मानवता की सुरक्षा का सबसे सरल, सस्ता और प्रभावी उपाय बनकर उभर रहा है। ऊर्जा आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग है, चाहे वह उद्योगों की मशीनें हों, परिवहन के साधन हों, डिजिटल अर्थव्यवस्था हो या घरेलू जीवन की सुविधाएं किंतु विडंबना यह है कि जिस ऊर्जा पर हमारी प्रगति आधारित है, वही अब संकट का कारण बनती जा रही है।

पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव ने तेल आपूर्ति पर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर हो रही हैं। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। दरअसल भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में वैश्विक संकट का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है।

संयुक्त राष्ट्र की 'एनर्जी प्रोग्रेस रिपोर्ट 2024' के अनुसार आने वाले दशक में वैश्विक ऊर्जा मांग में लगभग 25 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है जबकि जीवाश्म ईंधनों के भंडार तेजी से सीमित होते जा रहे हैं। ऐसे में यदि ऊर्जा संरक्षण और दक्षता को प्राथमिकता नहीं दी गई तो भविष्य में ऊर्जा संकट केवल आर्थिक चुनौती नहीं रहेगा बल्कि सामाजिक अस्थिरता और वैश्विक संघर्षों का कारण भी बन सकता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य इस खतरे को और स्पष्ट करता है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव ने तेल आपूर्ति पर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर हो रही हैं। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। दरअसल भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में वैश्विक संकट का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। पैट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि केवल परिवहन लागत को नहीं बढ़ाती बल्कि खाद्य पदार्थों से लेकर निर्माण सामग्री तक हर क्षेत्र में महंगाई को जन्म देती है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा का भी एक महत्वपूर्ण आधार बन जाता है।

भारत तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है और यहां ऊर्जा की मांग निरंतर बढ़ रही है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की 'इंडिया एनर्जी आउटलुक 2024' रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी ऊर्जा उपभोक्ता अर्थव्यवस्था बन जाएगा। ऐसे में यदि ऊर्जा खपत को संतुलित नहीं किया गया तो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना कठिन हो जाएगा। यही कारण है कि भारत ने ऊर्जा दक्षता और संरक्षण को अपनी नीति का केंद्रीय तत्व बनाया है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा लागू ऊर्जा संरक्षण अधिनियम और 'उजाला' जैसे कार्यक्रमों ने यह साबित किया है कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिणाम दे सकते हैं। 36 करोड़ से अधिक एलईडी बल्बों का वितरण और उससे हुई 48 बिलियन यूनिट बिजली की बचत इस बात का प्रमाण है कि यदि नीति और जनभागीदारी साथ आएं तो ऊर्जा संरक्षण एक जनांदोलन बन सकता है।

ऊर्जा संरक्षण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह किसी नई तकनीक या बड़े निवेश पर निर्भर नहीं है बल्कि यह हमारे दैनिक व्यवहार में छोटे-छोटे बदलावों से ही संभव है। उदाहरण के लिए, अनावश्यक रूप से जलती लाइटों को बंद करना, ऊर्जा-कुशल उपकरणों का उपयोग करना, एयर कंडीशनर का सीमित प्रयोग, सार्वजनिक परिवहन को अपनाना और सौर ऊर्जा जैसे विकल्पों को बढ़ावा देना, ये सभी कदम न केवल ऊर्जा बचाते हैं बल्कि पर्यावरण को भी सुरक्षित रखते हैं। यदि भारत का प्रत्येक परिवार प्रतिदिन केवल एक यूनिट बिजली की बचत करे तो यह देश के लिए ऊर्जा क्रांति के समान होगा। ऊर्जा संरक्षण का संबंध केवल बिजली तक सीमित नहीं है बल्कि यह जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। ऊर्जा उत्पादन में जल का व्यापक उपयोग होता है और जल की बर्बादी सीधे ऊर्जा की बर्बादी में बदल जाती है। इसी प्रकार, ऊर्जा के अत्यधिक उपयोग से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान वृद्धि का मुख्य कारण है। आज जब दुनिया 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है, तब ऊर्जा संरक्षण इस दिशा में सबसे प्रभावी हथियार साबित हो सकता है।

अक्षय ऊर्जा इस संकट का दीर्घकालिक समाधान प्रस्तुत करती है लेकिन इसकी सफलता भी ऊर्जा संरक्षण पर ही निर्भर करती है। सौर, पवन और जैव ऊर्जा जैसे स्त्रोतों का विस्तार तभी प्रभावी होगा, जब ऊर्जा की कुल मांग को नियंत्रित किया जाए। भारत ने 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है बल्कि वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और स्मार्ट ग्रिड जैसी तकनीकें इस दिशा में नई संभावनाएं खोल रही हैं लेकिन इन सबका मूल आधार ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही है। शहरीकरण के बढ़ते दबाव ने भी ऊर्जा खपत को तेजी से बढ़ाया है। महानगरों में ऊंची इमारतें, एयर कंडीशनिंग सिस्टम और बढ़ती वाहन संख्या ऊर्जा की मांग को कई गुना बढ़ा देती है। ऐसे में हरित भवन निर्माण, सौर पैनलों का उपयोग और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना आवश्यक हो जाता है। यदि भवन निर्माण में ऊर्जा दक्षता को प्राथमिकता दी जाए तो बिजली की खपत में 30 से 40 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है। यह न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी होगा बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

ऊर्जा संरक्षण का एक महत्वपूर्ण आयाम औद्योगिक क्षेत्र भी है। उद्योगों में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने से उत्पादन लागत में कमी आती है और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि ऊर्जा संरक्षण को केवल सरकारी नीति या अभियान के रूप में न देखा जाए बल्कि इसे एक सामाजिक संस्कृति के रूप में विकसित किया जाए। विद्यालयों में ऊर्जा शिक्षा को अनिवार्य बनाया जाए, मीडिया के माध्यम से जनजागरूकता बढ़ाई जाए और प्रत्येक नागरिक को यह समझाया जाए कि ऊर्जा की बचत केवल व्यक्तिगत लाभ नहीं बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य है। जब तक ऊर्जा संरक्षण हमारी आदत नहीं बनेगा, तब तक किसी भी नीति या तकनीक का पूर्ण लाभ नहीं मिल सकेगा।

वैश्विक ऊर्जा संकट के इस दौर में भारत के पास एक अवसर भी है, एक ऐसे मॉडल के रूप में उभरने का, जो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित कर सके। यदि भारत ऊर्जा संरक्षण, अक्षय ऊर्जा और तकनीकी नवाचार के समन्वय से आगे बढ़ता है तो वह न केवल अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है बल्कि विश्व के लिए एक प्रेरणा भी बन सकता है। यह समझना आवश्यक है कि ऊर्जा का संकट केवल संसाधनों का संकट नहीं है बल्कि यह हमारी सोच और व्यवहार का संकट भी है। यदि हम ऊर्जा को अनमोल संसाधन मानकर उसका विवेकपूर्ण उपयोग करना सीख लें तो न केवल वर्तमान संकट से उबर सकते हैं बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध दुनिया भी सुनिश्चित कर सकते हैं। ऊर्जा संरक्षण कोई जटिल विज्ञान नहीं बल्कि एक सरल जीवनशैली है और यही जीवनशैली आज धरती को बचाने की सबसे प्रभावी चाबी बन चुकी है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जलवायु परिवर्तन: भविष्य नहीं, वर्तमान का महाविनाशकारी संकट

लेखक - ललित गर्ग

सबसे बड़ी परीक्षा का समय है। यदि वे केवल आर्थिक विकास और सैन्य शक्ति की दौड़ में ही उलझी रहीं और पृथ्वी के भविष्य की चिंता नहीं की, तो आने वाली पीढ़ियां उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी। उन्हें यह समझना होगा कि पृथ्वी बचेगी तो अर्थव्यवस्था भी बचेगी, मानव सभ्यता भी बचेगी

आज मानव सभ्यता जिस सबसे बड़े संकट के सामने खड़ी है, वह युद्ध, महामारी या आर्थिक मंदी नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन है। दुनिया आज जलवायु संकट के ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां हर नया आंकड़ा खतरे की घंटी बनकर सामने आ रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ताजा रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि 2015-2025 का दशक अब तक का सबसे गर्म दौर रहा है। यह केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि पृथ्वी के बदलते स्वभाव का गंभीर संकेत है। रिपोर्ट बताती है कि ग्रीनहाउस गैसों का स्तर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच चुका है और पृथ्वी का एनर्जी इम्बैलेंस लगातार बढ़ रहा है। महासागर, जो जलवायु संतुलन के सबसे बड़े नियंत्रक माने जाते हैं, अब 90 प्रतिशत से अधिक अतिरिक्त गर्मी सोख रहे हैं। इसका सीधा अर्थ है कि पृथ्वी का तापमान केवल हवा में ही नहीं, जल और भूमि के भीतर भी बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन अब धीरे-धीरे आने वाली समस्या नहीं रही, बल्कि यह वर्तमान का संकट बन चुका है। दुनिया के अनेक हिस्सों में असामान्य गर्मी, बाढ़, सूखा, चक्रवात और जंगल की आग जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। प्रति का संतुलन बिगड़ रहा है और मौसम का मिजाज अनिश्चित होता जा रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा से बाढ़ आ रही है तो कहीं महीनों तक बारिश नहीं हो रही। यह असंतुलन सीधे-सीधे मानव जीवन, कृषि, जल संसाधनों और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। इस बदलते मौसम ने सबसे ज्यादा मनुष्य के स्वास्थ्य पर हमला किया है। भारत के संदर्भ में यह संकट और भी गंभीर रूप लेता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत के अनेक शहरों में तापमान 48 से 50 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि पहले 45 डिग्री को ही अत्यधिक गर्मी माना जाता था। अब असामान्य गर्मी ने फरवरी और मार्च जैसे महीनों को भी झुलसाना शुरू कर दिया है। हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता दोनों बढ़ रही हैं। इसका असर केवल स्वास्थ्य पर नहीं, बल्कि बिजली, पानी, खेती, श्रम, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी ने केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि वन्यजीव, पेड़-पौधे और सम्पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को भी संकट में डाल दिया है। जलवायु परिवर्तन के पीछे सबसे बड़ा कारण मानव का विकास मॉडल है। कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई, अनियोजित शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों का अंधाधुंध दोहन पृथ्वी को लगातार गर्म कर रहा है। आज वैश्विक तापमान लगभग एक लाख 25 हजार वर्षों के उच्चतम स्तर के आसपास पहुंच चुका है। यह स्थिति बताती है कि समस्या प्रकृति में नहीं, बल्कि मानव की जीवनशैली और विकास की दिशा में है।

वर्तमान वैश्विक परिस्थितियां इस संकट को और अधिक खतरनाक बना रही हैं। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध की स्थितियां बनी हुई हैं। युद्ध केवल मानव जीवन और अर्थव्यवस्था को ही नष्ट नहीं करते, बल्कि पर्यावरण को भी गहरा नुकसान पहुंचाते हैं। युद्ध में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटक, रसायन, धातु, ईंधन और आग से वातावरण में भारी मात्रा में जहरीली गैसें फैलती हैं। तेल भंडारों में आग, रासायनिक संयंत्रों का नष्ट होना और सैन्य गतिविधियां वातावरण में कार्बन उत्सर्जन को कई गुना बढ़ा देती हैं। इस प्रकार युद्ध और जलवायु परिवर्तन मिलकर पृथ्वी को दोहरे संकट की ओर धकेल रहे हैं। भारत सहित दुनिया के लगभग 75 प्रतिशत जिले किसी न किसी जलवायु जोखिम के दायरे में आ चुके हैं। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी नदियों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। दूसरी ओर समुद्र का जलस्तर बढ़ने से मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे तटीय शहरों पर खतरा मंडरा रहा है। यदि समुद्र स्तर इसी गति से बढ़ता रहा तो आने वाले दशकों में तटीय आबादी का बड़े पैमाने पर विस्थापन हो सकता है। यह केवल पर्यावरण संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट भी बन सकता है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए यह स्पष्ट है कि यदि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में तेजी से कटौती नहीं की गई, तो तापमान के नए-नए रिकॉर्ड टूटते रहेंगे और पृथ्वी रहने योग्य स्थान कम होती जाएगी। जल संकट, खाद्य संकट, स्वास्थ्य संकट और प्रवासन जैसी समस्याएं बढ़ेंगी। दुनिया के अनेक वैज्ञानिक अब चेतावनी दे रहे हैं कि यदि तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित नहीं किया गया, तो पृथ्वी का पारिस्थितिक संतुलन गंभीर रूप से बिगड़ सकता है। लेकिन इस संकट में ही अवसर भी छिपा हुआ है। यह समय विकास मॉडल को बदलने का है। ऊर्जा के क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा, जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जल ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। शहरों को कंक्रीट के जंगल बनाने के बजाय हरित शहर बनाना होगा। जल प्रबंधन को जन आंदोलन बनाना होगा। वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण और नदियों के संरक्षण पर गंभीरता से काम करना होगा। कृषि को जलवायु अनुकूल बनाना होगा, कम पानी वाली फसलों और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा। साथ ही जिला स्तर पर हीट एक्शन प्लान, जल संरक्षण योजना, वृक्षारोपण अभियान और स्थानीय पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम लागू करने होंगे। जलवायु परिवर्तन से लड़ाई केवल सरकारें नहीं जीत सकतीं, इसके लिए समाज, उद्योग, वैज्ञानिक और आम नागरिक सभी को मिलकर काम करना होगा।

दुनिया की महाशक्तियों के लिए यह समय सबसे बड़ी परीक्षा का समय है। यदि वे केवल आर्थिक विकास और सैन्य शक्ति की दौड़ में ही उलझी रहीं और पृथ्वी के भविष्य की चिंता नहीं की, तो आने वाली पीढ़ियां उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी। उन्हें यह समझना होगा कि पृथ्वी बचेगी तो अर्थव्यवस्था भी बचेगी, मानव सभ्यता भी बचेगी और विकास भी बचेगा। यदि पृथ्वी ही तपती और असंतुलित हो गई, तो सारी प्रगति बेकार हो जाएगी। आज आवश्यकता है कि दुनिया की महाशक्तियां कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए कठोर और बाध्यकारी नीतियां बनाएं, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करें, वनों की कटाई रोकें और हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दें। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी का तापमान इतना बढ़ जाएगा कि अनेक क्षेत्र रहने योग्य नहीं रहेंगे। निश्चित तौर पर जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चुनौती नहीं, वर्तमान का संकट है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को एक असंतुलित और तपती हुई पृथ्वी विरासत में मिलेगी। यह तपती हुई पृथ्वी मानव जीवन के लिए विनाश का कारण भी बन सकती है। लेकिन यदि दुनिया समय रहते चेत गई, तो यही संकट एक नए, संतुलित और टिकाऊ विकास मॉडल की शुरुआत भी बन सकता है। पृथ्वी को बचाना अब विकल्प नहीं, मानव अस्तित्व की अनिवार्यता बन चुका है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मैंने किसी सह-अभिनेत्री से असुरक्षा महसूस नहीं की रवीना टंडन

हाल ही में सोशल मीडिया पर बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन ने एक आर्टिकल साझा करते हुए उन दावों पर प्रतिक्रिया दी, जिनमें फिल्म अंदाज अपना अपना की शूटिंग के दौरान उनके और करिश्मा कपूर के बीच कथित तनाव का जिक्र किया गया था। इस आलेख में फैशन डिजाइनर एशले रेबेलो का हवाला देते हुए दावा किया गया था कि शूटिंग के दौरान करिश्मा यह जानना चाहती थीं कि रवीना फिल्म में क्या पहन रही हैं। इन दावों के बारे में रवीना टंडन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उन्होंने अपने करियर में कभी भी किसी सह-अभिनेत्री से असुरक्षा महसूस नहीं की और न ही वह किसी तरह की 'क्लासरूम पॉलिटिक्स का हिस्सा रही हैं। रवीना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा कि वह हमेशा अपनी दुनिया में खुश और संतुष्ट रही हैं। उनके मुताबिक, भगवान ने उन्हें जीवन में बहुत कुछ दिया है और वह हर मौके के लिए आभारी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें कभी किसी का अनादर करने की जरूरत महसूस नहीं हुई। उनका मानना है कि जो लोग उन्हें करीब से जानते हैं, वे उनके व्यक्तित्व और सच्चाई को भली-भांति समझते हैं। अभिनेत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में प्रतिस्पर्धा होना स्वाभाविक है, लेकिन इसे असुरक्षा या आपसी राजनीति में बदलना सही नहीं है। उन्होंने 'क्लासरूम पॉलिटिक्स जैसे व्यवहार से दूरी बनाए रखने की बात कही और संकेत दिया कि वह हमेशा अपने काम और व्यक्तिगत संतुलन पर ध्यान देती रही हैं। पोस्ट के अंत में रवीना ने डिजाइनर एशले रेबेलो के प्रति स्नेह जताते हुए 'हमेशा प्यार लिखा, जिससे यह जाहिर होता है कि उनके बीच किसी प्रकार की व्यक्तिगत कड़वाहट नहीं है। उनका कहना है कि उन्होंने हमेशा अपने काम पर ध्यान केंद्रित किया और किसी भी तरह की नकारात्मकता को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। गौरतलब है कि अंदाज अपना अपना की शूटिंग के दौरान रवीना टंडन और करिश्मा कपूर के बीच अनबन की खबरें वर्षों से चर्चा में रही हैं। फिल्म से जुड़े कई लोगों ने समय-समय पर इन घटनाओं का जिक्र किया है, जिससे यह मुद्दा अक्सर सुर्खियों में आता रहा है।

विवाद बढ़ने पर करण जौहर ने अपने बयान को लेकर दी सफाई

बीते दिनों बॉलीवुड फिल्ममेकर करण जौहर ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वर्तमान समय में एक्टर्स बहुत जल्दी टैलेंट एजेंसी बदल लेते हैं और कभी-कभी यह फैसले उनकी इनसिक्योरिटी की वजह से होते हैं। इस बयान को तुरंत जाह्नवी कपूर से जोड़कर पेश किया गया, जिससे सोशल मीडिया और मीडिया पर काफी चर्चा हुई। विवाद बढऩे के बाद करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर स्पष्ट किया कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने लिखा कि उनके शब्दों को संदर्भ से हटाकर और तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है, जिससे गलतफहमियां पैदा हो रही हैं। करण ने मीडिया से अपील की कि सिर्फ आकर्षक हेडलाइंस बनाने के लिए इंटरव्यू के छोटे हिस्सों को अलग-अलग दिखाना उचित नहीं है। करण जौहर ने यह भी बताया कि कलाकार इंटरव्यू और पॉडकास्ट में खुलकर अपनी राय रखते हैं, लेकिन जब उनकी एक लाइन को अलग संदर्भ में पेश किया जाता है, तो वह भ्रामक बन जाती है। इससे न केवल गलत संदेश जाता है, बल्कि लोग खुलकर बात करने में हिचकिचाने लगते हैं। उनका कहना है कि किसी भी बयान को उसके पूरे संदर्भ में पेश करना चाहिए, केवल एक लाइन को अलग दिखाना लोगों के बीच भ्रम और गलतफहमी फैलाता है। करण जौहर के इस पोस्ट के बाद यह स्पष्ट हो गया कि उनका बयान किसी विशेष कलाकार को निशाना बनाने के लिए नहीं था। उन्होंने अपने संदेश में यह भी जोर दिया कि वे एजेंसी छोडऩे वाले कलाकारों के साथ काम करना जारी रखेंगे और उनका उद्देश्य केवल इंडस्ट्री के बदलते ट्रेंड्स और चुनौतियों पर अपने विचार साझा करना था। इस सफाई के साथ करण जौहर ने सोशल मीडिया पर यह संदेश दिया कि इंटरव्यू और बयानों को तोड़-मरोड़कर पेश करने से न केवल कलाकारों की छवि प्रभावित होती है, बल्कि इंडस्ट्री में संवाद और ईमानदार विचार साझा करने का माहौल भी प्रभावित होता है। अब फैंस और मीडिया के लिए यह स्पष्ट हो गया कि करण का बयान व्यक्तिगत नहीं, बल्कि पेशेवर परिप्रेक्ष्य से था। मालूम हो कि हाल ही में एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने करण जौहर की टैलेंट एजेंसी धर्मा कॉर्नरस्टोन (डीसीएए) छोड़कर कलेक्टिव आर्टिस्ट्स नेटवर्क जॉइन किया।

'द ट्रेटर्स 2 में दर्शकों को देखने को मिलेंगे कई बड़े नाम

बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निर्माता करण जौहर द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स के दूसरे सीजन में भी दर्शकों को कई बड़े नाम देखने को मिलने वाले हैं। जानकारी के अनुसार, इस साल शो का हिस्सा बनने के लिए मल्लिका शेरावत का नाम चर्चा में है। इसके अलावा कई अन्य सितारों के नाम भी सामने आ रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस बार शो में रिया चक्रवर्ती, शालिनी पासी, फुकरा इंसान यानी अभिषेक मल्हान, मुनव्वर फारूकी, दिलीप ताहिल और कॉमेडियन आदित्य कुलश्रेष्ठ (कुल्लू) नजर आ सकते हैं। इन कंटेस्टेंट्स की मौजूदगी से शो में अलग-अलग पर्सनैलिटी और गेमप्ले का रोचक मिश्रण देखने को मिलेगा। 'द ट्रेटर्स 2 की शूटिंग इस बार और भी भव्य होने वाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक राजस्थान के जैसलमेर स्थित भव्य सूर्यगढ़ पैलेस को शूटिंग लोकेशन के तौर पर चुना गया है। करण जौहर खुद वहां पहुंच चुके हैं और सोशल मीडिया पर लोकेशन की झलकियां साझा कर चुके हैं, जिससे शो की भव्यता का अंदाजा लगाया जा सकता है। करण जौहर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए हिंट दिया कि वे एक ऐसी जगह पर शूट कर रहे हैं जहां दूर-दूर तक सिनेमा का नामो-निशान नहीं है। इस बीच उन्हें एफओएमओ हो रहा है क्योंकि वे अपनी दूसरी पसंदीदा रियलिटी शो धुरंधर 2 नहीं देख पा रहे हैं। हालांकि, अभी तक शो के कंटेस्टेंट्स के नाम को लेकर कोई ऑफिशियल ऐलान नहीं किया गया है। करण जौहर का इंस्टाग्राम पोस्ट दर्शकों के लिए उत्साह बढ़ाने वाला साबित हुआ है। यह शो टास्क-बेस्ड रियलिटी शो है जिसमें कंटेस्टेंट्स को मिलकर टास्क पूरा करना होता है, लेकिन असली खेल तब शुरू होता है जब उन्हें अपने बीच छुपे गद्दार को चुनना होता है। यह कॉन्सेप्ट अमेरिकी शो 'द ट्रेटर्स की तरह है और दर्शकों को रोमांचक और रणनीतिक गेमप्ले का अनुभव देता है। फैंस अब बेसब्री से इस दूसरे सीजन का इंतजार कर रहे हैं और उम्मीद जताई जा रही है कि करण जौहर का यह शो पहले सीजन से भी ज्यादा रोमांचक और भव्य साबित होगा। बता दें कि करण जौहर के रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स का पहला सीजन दर्शकों को खूब पसंद आया था। इस शो में कई सितारे एक ही छत के नीचे अपनी रणनीति और गेमप्ले दिखाते नजर आए थे। पिछले सीजन में अंशुला कपूर, आशीष विद्यार्थी, जन्नत जुबैर, उर्फी जावेद, मुकेश छाबरा, लक्ष्मी मंचू जैसे कलाकारों ने धमाकेदार प्रदर्शन किया था।

मानसी पारेख की मेहनत को मिला सम्मान

बॉलीवुड अभिनेत्री मानसी पारेख को हाल ही में एंटरटेनमेंट कैटेगरी में फेमिना गेम चेंजर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। मानसी ने अवॉर्ड प्राप्ति की खुशी जाहिर करते हुए इंस्टाग्राम पर एक खास वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे अवॉर्ड हाथ में लिए दिखाई दीं। मानसी ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, 'हम अपनी नई राह खुद बनाते हैं। यही हमेशा मेरा मंत्र रहा है, चाहे जिंदगी हो या करियर। मैंने कभी भी लोगों की उम्मीद के मुताबिक रास्ता नहीं चुना। अपना खुद का रास्ता बनाया, भले ही वह कभी-कभी अनिश्चित लगे, हमेशा फायदेमंद साबित हुआ है। ' उन्होंने बताया कि वे एक सामान्य मध्यमवर्गीय परिवार से आती हैं और इंडस्ट्री में बिना किसी कनेक्शन के शुरुआत करना आसान नहीं था। मानसी ने कहा, 'बिना किसी मदद के शुरुआत करके आज अपने सपनों को जीना और दूसरों के लिए भी नए मौके बनाना बहुत संतोषजनक है। अभिनेत्री ने फेमिना इंडिया को विशेष धन्यवाद भी दिया, लिखा, 'धन्यवाद फेमिना इंडिया मुझे एंटरटेनमेंट में गेम चेंजर अवॉर्ड देने के लिए।

आशा है कि और भी महिलाएं खुद पर भरोसा करें और अपने तरीके से खेल बदलें। मानसी पारेख टीवी इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शुमार हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एमटीवी के सीरियल 'कितनी मस्त है जिंदगी से की थी। इसके बाद उन्होंने कई टीवी सीरियलों में काम किया, जिनमें 'जिंदगी का हर रंग गुलाल, 'सुमित संभाल लेगा, 'कसौटी जिंदगी की और 'सरस्वतीचंद्र शामिल हैं। टीवी करियर के बाद मानसी ने फिल्मों की ओर रुख किया और तमिल, गुजराती और हिंदी फिल्मों में काम किया। उन्होंने कई गुजराती फिल्मों में अभिनय के साथ-साथ कुछ फिल्मों को प्रोड्यूस भी किया। साल 2024 में उन्हें नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्म 'कच्छ एक्सप्रेस में अभिनय करने के साथ-साथ प्रोडक्शन का जिम्मा भी संभालना पड़ा, जो उनके करियर का महत्वपूर्ण मुकाम साबित हुआ।

सितारे जमीन परओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर होगी उपलब्ध

बॉलीवुड फिल्म सितारे जमीन पर ने रिलीज होने के बाद दर्शकों का दिल जीत लिया। सुपरस्टार आमिर खान की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी जबरदस्त कमाई की। फिल्म अब ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी। मेकर्स ने इसकी पूरी तैयारी कर ली है और 3 अप्रैल को फिल्म को डिजिटल रिलीज के लिए तय कर लिया गया है। सोनी लिव ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा करते हुए लिखा, 'किसी के लिए अलग, किसी के लिए नॉर्मल, सबका अपना नॉर्मल होता है। उम्मीद और सुकून की एक दिल छू लेने वाली कहानी। देखिए सितारे जमीन पर 3 अप्रैल से सिर्फ सोनी लिव पर। यह घोषणा फैंस के लिए रोमांचक है क्योंकि अब वे घर बैठे ही आमिर खान की इस शानदार फिल्म का अनुभव ले सकेंगे। यह फैसला आमिर खान के पिछले साल के बयान से अलग है, जब उन्होंने कहा था कि फिल्म ओटीटी पर उपलब्ध नहीं होगी। उस समय फिल्म को थिएटर के बाद सीधे यूट्यूब रेंटल पर स्ट्रीम करने की योजना बनाई गई थी। 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के बाद, 1 अगस्त से फिल्म यूट्यूब पर रेंट के जरिए देखी जा सकती थी, जहां दर्शक इसे 100 रुपये देकर स्ट्रीम कर सकते थे। फिल्म के निर्देशक आरएस प्रसन्ना ने कहानी को जीवंत बनाया है। फिल्म में आमिर खान और जेनेलिया देशमुख लीड रोल में हैं, जबकि आशीष पेंडसे, आरुष दत्ता, आयुष भंसाली, ऋषि शहानी, गोपीकृष्णन के. वर्मा, ऋषभ जैन, वेदांत शर्मा, सिमरन मंगेशकर, संवित देसाई और नमन मिश्रा जैसे कलाकार फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी है। 'सितारे जमीन पर की कहानी एक बास्केटबॉल कोच के इर्द-गिर्द घूमती है। शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में फंसने के बाद कोर्ट उसे सजा के तौर पर विशेष बच्चों के एक ग्रुप को बास्केटबॉल सिखाने का आदेश देती है। फिल्म ने न सिर्फ दर्शकों का दिल जीता बल्कि क्रिटिक्स से भी काफी सराहना हासिल की। बॉक्स ऑफिस पर इसने 265 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है, जो इसे साल की सबसे सफल फिल्मों में शुमार करता है। अब 3 अप्रैल से आमिर खान की यह फिल्म सोनी लिव पर स्ट्रीम होगी।

न्यूज ब्रीफ

ओलंपिक में ट्रांसजेंडर महिलाओं की एंट्री पर रोक, आईओसी ने बदली नीति

नई दिल्ली। इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी (आईओसी) ने ट्रांसजेंडर एथलीटों को लेकर एक बड़ा और अहम फैसला लिया है। नई नीति के तहत 2028 में होने वाले लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 और भविष्य के सभी ओलंपिक खेलों में ट्रांसजेंडर महिलाएं महिला कैटेगरी के इवेंट्स में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। इस निर्णय का उद्देश्य महिलाओं के खेलों में निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित करना बताया गया है। आईओसी की नई गाइडलाइन के अनुसार, अब केवल बायोलॉजिकल महिलाओं, यानी जन्म से महिला खिलाडि ों को ही महिला वर्ग में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए खिलाडि ों को जीन टेस्ट से गुजरना होगा, जिसमें थूक, ब्लड सैंपल या गाल के जरिए सैंपल लिया जा सकता है। हालांकि, जो एथलीट जन्म के समय महिला थे और बाद में खुद को ट्रांसजेंडर के रुप में पहचानते हैं, उन्हें महिला स्पर्धाओं में भाग लेने की छूट दी गई है। आईओसी की अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री ने इस फैसले को विज्ञान और चिकित्सा सलाह पर आधारित बताया है। उन्होंने कहा कि ओलंपिक जैसे उच्चस्तरीय प्रतियोगिताओं में

दिल्ली कैपिटल्स की नई शुरुआत, अभिषेक पोरेल की प्यारी हरकत ने जीता दिल

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की टीम नए जोश और मजबूत इरादों के साथ मैदान में उतरने को तैयार है। पिछले सीजन में टीम ने शानदार शुरुआत की थी, लेकिन बाद में लय खोने के कारण खिताब की दौड़ से बाहर हो गई थी। ऐसे में इस बार टीम का लक्ष्य साफ है पहली बार ट्रॉफी जीतना। इसके लिए खिलाड़ी जमकर अभ्यास कर रहे हैं और अपनी तैयारियों को अंतिम रुप देने में जुटे हैं। कड़ी मेहनत के बीच खिलाड़ी हल्के-फुल्के पलों का भी आनंद ले रहे हैं। हाल ही में टीम के एक प्रैक्टिस सेशन के दौरान ऐसा ही एक दिलचस्प और भावुक दृश्य देखने को मिला, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। अभ्यास के दौरान अचानक एक कुत्ता मैदान पर आ गया और पिच तक पहुंच गया। इस स्थिति में युवा खिलाड़ी अभिषेक पोरेल ने तुरंत आगे बढ़कर जिम्मेदारी दिखाई। उन्होंने कुत्ते को प्यार से अपनी गोद में उठाया और उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया। अभिषेक की इस संवेदनशील और प्यारी हरकत ने टीम के अन्य खिलाड़ियों के चेहरे पर मुस्कान ला दी। मैदान पर मौजूद सभी लोग इस दृश्य को देखकर खुश नजर आए। यही नहीं, पोरेल का यह 'डॉग लव सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है।

बेन डकेट ने नाम लिया वापस, दो साल के बैन की संभावना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत से ठीक पहले दिल्ली कैपिटल्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के लिए ओपनिंग करने वाले इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट ने टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। ऐसे समय पर लिया गया यह फैसला दिल्ली की तैयारियों पर सीधा असर डाल सकता है, जब सभी टीमें अपनी रणनीतियों को अंतिम रुप दे रही हैं। डकेट के इस कदम के बाद बीसीसीआई उनके खिलाफ सख्त रुख अपना सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टूर्नामेंट से अचानक हटने के कारण उन पर दो साल का प्रतिबंध लगाया जा सकता है, जिससे वह आगामी दो सीजन में आईपीएल का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। इससे पहले हैरी ब्रुक पर भी इसी तरह की कार्रवाई की जा चुकी है। दिल्ली कैपिटल्स के एक सूत्र ने पुष्टि की है कि डकेट ने फ्रेंचाइजी को अपनी अनुपलब्धता के बारे में सूचित कर दिया है। टीम प्रबंधन अब उनके विकल्प की तलाश में जुट गया है और जल्द ही नए खिलाड़ी के नाम की घोषणा की जा सकती है। नीलामी में डकेट को 2 करोड़ रुपये में खरीदा गया था और उनसे उम्मीद थी कि वह केएल राहुल के साथ टीम को मजबूत शुरुआत देंगे। डकेट ने अपने फैसले के पीछे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को प्राथमिकता देने की वजह बताई है। उन्होंने हालिया प्रदर्शन को निराशाजनक बताते हुए कहा कि वह अपने करियर पर दोबारा ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।

आईपीएल 2026 का आगाज आज से, ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी

पहले मैच में आरसीबी और एसआरएच होंगे आमने-सामने

नई दिल्ली ● एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का बहुप्रतीक्षित आगाज शनिवार, 28 मार्च से होने जा रहा है। इस सीजन का पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला बेंगलुरु के प्रतिष्ठित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित होगा, जहां फैंस को एक रोमांचक शुरुआत की उम्मीद है। हालांकि इस बार आईपीएल के उद्घाटन समारोह में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। आमतौर पर टूर्नामेंट की शुरुआत भव्य ओपनिंग सेरेमनी के साथ होती है, जिसमें कई बड़े सितारे शामिल होते हैं, लेकिन इस बार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ओपनिंग सेरेमनी आयोजित नहीं करने का फैसला किया है। इसके पीछे एक संवेदनशील कारण बताया जा रहा है। पिछले सीजन में आरसीबी की जीत के बाद आयोजित विक्ट्री परेड के दौरान भगदड़ मच गई थी, जिसमें कई फैंस की जान चली गई थी। इसी दुखद घटना को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई ने इस बार सादगी के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत करने का निर्णय लिया है, ताकि दिवंगत प्रशंसकों को श्रद्धांजलि दी जा सके। मैच के समय की बात करें तो आरसीबी और एसआरएच के बीच यह मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। वहीं, टॉस के लिए दोनों टीमों के कप्तान शाम 7 बजे मैदान पर उतरेंगे। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि यह सीजन की शुरुआत का मैच है। प्रसारण की बात करें तो इस मुकाबले का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर विभिन्न भाषाओं में किया जाएगा, जिससे देशभर के दर्शक अपनी पसंदीदा भाषा में मैच का आनंद ले सकेंगे। वहीं, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार ऐप और वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा, दर्शक लाइव स्कोर और अपडेट्स के लिए विभिन्न क्रिकेट वेबसाइट्स और ऐप्स का सहारा ले सकते हैं। आईपीएल 2026 का यह पहला मुकाबला न सिर्फ टूर्नामेंट की दिशा तय करेगा, बल्कि दोनों टीमों के इरादों का भी संकेत देगा। जहां आरसीबी अपनी खिताबी लय को बरकरार रखना चाहेगी, वहीं सनराइजर्स हैदराबाद जीत के साथ नई शुरुआत करने के इरादे से मैदान में उतरेगी। ऐसे में यह मुकाबला फैंस के लिए रोमांच से भरपूर होने की पूरी उम्मीद है।

स्क्वॉड रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

रजत पाटीदार (कप्तान), टिम डेविड, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, फिलिप साल्ट, जितेश शर्मा, जैकब बेथेल, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, यश दयाल, नुवान तुषारा, वेंकटेश अय्यर, जैकब डफी, मंगेश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विहान मल्होत्रा, कनिष्क चौहान, अभिनंदन। सिंह, विक्की ओस्तवाल, सात्विक देसवाल।

सनराइजर्स हैदराबाद

ट्रैविस हेड, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन, स्मरण रविचंद्रन, अभिषेक शर्मा, हर्ष दुबे, कामिंडु मेंडिस, नितीश कुमार रेड्डी, पैट कमिंस (कप्तान), ईशान मलिंगा, जयदेव उनादकट, हर्षल पटेल, सलिल अरोड़ा, प्रफुल्ल हिंगे, लियाम लिविंगस्टोन, शिवम मावी, जैक एडवर्ड्स, ब्रायडन कार्स, साकिब हुसैन, जीशान अंसारी, अनिकेत वर्मा, अमित कुमार, क्रेन्स फुलेट्रा।

आईपीएल 2026 : आकाश चोपड़ा की भविष्यवाणी, ऑरेंज कैप की रेस में जायसवाल-गिल आगे

नई दिल्ली ● एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 19वें सीजन के आगाज के साथ ही एक बार फिर बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। इस सीजन में जहां युवा खिलाड़ियों से बड़े प्रदर्शन की उम्मीद है, वहीं अनुभवी खिलाडि़यों पर भी अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने का दबाव रहेगा। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने ऑरेंज कैप और पर्पल कैप के संभावित दावेदारों को लेकर अपनी भविष्यवाणी साझा की है। आकाश चोपड़ा ने अपने विश्लेषण में ऑरेंज कैप के लिए भारतीय बल्लेबाजों पर भरोसा जताया है। उन्होंने यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल को इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाडि़यों में सबसे आगे माना है। दोनों बल्लेबाज पहले भी शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और ऑरेंज कैप जीतने का अनुभव रखते हैं। चोपड़ा का मानना है कि टी20 क्रिकेट में आमतौर पर सलामी बल्लेबाजों को ज्यादा मौके मिलते हैं, इसलिए इन दोनों खिलाडि़यों की दावेदारी मजबूत है। उन्होंने खास तौर पर यशस्वी जायसवाल को लेकर कहा कि यह उनके लिए 'ब्रेकआउट सीजन साबित हो सकता है। पिछले कुछ समय में जायसवाल ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, वह उन्हें इस रेस में सबसे आगे खड़ा करता है। चोपड़ा ने यह भी कहा कि शुभमन गिल रन बनाने की भूख के साथ मैदान पर उतरेंगे, जिससे उनके बड़े स्कोर बनाने की संभावना और बढ़ जाती है। इसके अलावा विराट कोहली और केएल राहुल को भी ऑरेंज कैप के दावेदारों में शामिल किया गया है। कोहली पहले ही दो बार यह खिताब जीत चुके हैं और उनका अनुभव उन्हें इस दौड़ में मजबूत बनाता है। वहीं चोपड़ा का मानना है कि अगर दिल्ली कैपिटल्स अच्छा प्रदर्शन करती है, तो केएल राहुल भी इस रेस में आगे निकल सकते हैं। आकाश चोपड़ा के अनुसार, ऑरेंज कैप जीतने के लिए किसी बल्लेबाज को कम से कम 600 से 650 रन बनाने होंगे। उन्होंने जायसवाल के हालिया आंकड़ों का जिक्र करते हुए बताया कि वह लगातार रन बना रहे हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी शानदार है। यही वजह है कि उनसे इस सीजन में बड़े प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। आईपीएल 2026 का पहला मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बेंगलुरु में खेला जाएगा। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या आकाश चोपड़ा की भविष्यवाणियां सही साबित होती हैं या कोई नया खिलाड़ी इस रेस में सबको चौंका देता है।

आईपीएल 2026 से पहले राहत : पैट कमिंस की वापसी की तैयारी

एसआरएच को मिला बड़ा अपडेट

नई दिल्ली। सनराईज हैदराबाद के लिए इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से पहले राहत भरी खबर सामने आई है। टीम के नियमित कप्तान पैंट कमिंस, जो लंबे समय से बैक इंजरी से जूझ रहे थे, अब धीरे-धीरे फिटनेस की ओर लौट रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपनी वापसी के संकेत देते हुए बताया कि मैदान पर लौटना उन्हें अच्छा लग रहा है। कमिंस ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में भी अपनी रिकवरी को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि वह अब नेट्स में गेंदबाजी शुरू कर चुके हैं और तय रिहैब प्लान के अनुसार धीरे-धीरे अपना वर्कलोड बढ़ा रहे हैं। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वह टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों में उपलब्ध नहीं रहेंगे, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि ज्यादा समय तक बाहर नहीं रहना पड़ेगा। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ने कहा कि वह फिलहाल हर तीसरे दिन गेंदबाजी कर रहे हैं और टीम मैनेजमेंट के साथ मिलकर ऐसा प्लान तैयार किया गया है, जिससे वह टूर्नामेंट के दूसरे हिस्से तक पूरी तरह फिट हो सकें। उनका लक्ष्य है कि लीग के अंतिम चरण और संभावित प्लेऑफ मुकाबलों में टीम के लिए उपलब्ध रहें। गौरतलब है कि कमिंस को यह चोट पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान लगी थी, जिसके कारण वह टी20 वर्ल्ड कप में भी हिस्सा नहीं ले पाए थे। उनकी गैरमौजूदगी में सनराइजर्स हैदराबाद ने ईशान किसन को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी है। इस बीच टीम को एक और झटका लगा है, क्योंकि ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स पैर की चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। ऐसे में कमिंस की वापसी टीम के लिए और भी अहम हो जाती है। आईपीएल में कमिंस के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने अब तक 72 मैचों में 79 विकेट लिए हैं। इसके अलावा बल्ले से भी उन्होंने 600 से ज्यादा रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 34 रन देकर 4 विकेट रहा है। ऐसे में अगर वह टूर्नामेंट के दूसरे चरण में वापसी करते हैं, तो यह एसआरएच के लिए गेम चेंजर साबित हो सकता है।

15 साल के हुए वैभव सूर्यवंशी, धमाकेदार प्रदर्शन से सुर्खियों में

एक ओवर ने बदली करीम जनत की किस्मत

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी 27 मार्च को 15 साल के हो गए हैं और इसके साथ ही उनके लिए सीनियर क्रिकेट में आगे बढने का रास्ता और साफ हो गया है। बिहार के समस्तीपुर जिले से ताल्लुक रखने वाले वैभव ने बेहद कम उम्र में ही अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा लिया था। उन्होंने महज 12 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू कर सबको चौंका दिया था और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के दम पर तेजी से पहचान बनाई। उनकी काबिलियत को देखते हुए आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया। अपने पहले ही आईपीएल सीजन में वैभव ने धमाकेदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। खास तौर पर गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मैच में उन्होंने सिर्फ 35 गेंदों में शतक जड़कर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया और 'वंडर बॉय के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर ली। हालांकि इसी सीजन का एक और पहलू भी काफी चर्चा में रहा, जिसमें उनके प्रदर्शन ने एक अन्य खिलाड़ी के करियर पर गहरा असर डाला। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2025 में अफगानिस्तान के ऑलराउंडर करीम जनत को 75 लाख रुपये के बेस प्राइस पर खरीदा था। राजस्थान के खिलाफ मैच में उन्हें डेब्यू का मौका मिला, लेकिन यह मैच उनके लिए बेहद मुश्किल साबित हुआ। उस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी के सामने गेंदबाजी करते हुए करीम जनत पूरी तरह दबाव में नजर आए। वैभव ने उनके एक ही ओवर में 3 छक्के और 3 चौके लगाते हुए कुल 30 रन बटोर लिए। इस ओवर के बाद टीम के कप्तान शुभमन गिल ने करीम को फिर गेंदबाजी का मौका नहीं दिया। इतना ही नहीं, पूरे सीजन में वह प्लेइंग इलेवन से बाहर ही रहे और बाद में आईपीएल 2026 के लिए उन्हें टीम से रिलीज भी कर दिया गया। हालांकि आईपीएल में यह अनुभव उनके लिए निराशाजनक रहा, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करीम जनत अफगानिस्तान टीम के लिए अहम खिलाड़ी बने हुए हैं। उन्होंने अब तक 2 टेस्ट, 3 वनडे और 75 टी20 मुकाबले खेले हैं। टेस्ट और वनडे में भले ही उन्हें सफलता नहीं मिली हो, लेकिन टी20 फॉर्मेट में उनके नाम 42 विकेट दर्ज हैं, जो उनकी उपयोगिता को साबित करता है।

गंभीर की आक्रामकता ही उनकी ताकत, विरोधियों के लिए 'खलनायक लेकिन टीम के लिए हीरो : डु प्लेसी

नई दिल्ली ● एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फैफ डु प्लेसी ने भारतीय क्रिकेट टीम के मौजूदा कोच गौतम गंभीर की तीखी प्रतिस्पर्धात्मक भावना की जमकर सराहना की है। उन्होंने कहा कि गंभीर का यही आक्रामक रवैया उन्हें कई बार विरोधियों की नजर में 'कहानी का खलनायक बना देता है, लेकिन उनकी टीम के लिए यही सबसे बड़ी ताकत साबित होता है। डु प्लेसी ने बताया कि जब आप गंभीर के खिलाफ खेलते हैं, तो उनकी ऊर्जा और जुनून उन्हें अलग बनाते हैं। वह ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें इस बात की बिल्कुल परवाह नहीं होती कि लोग उन्हें पसंद करते हैं या नहीं। उनका पूरा ध्यान सिर्फ जीत और टीम के प्रदर्शन पर रहता है। यही वजह है कि वह एक मजबूत लीडर के रूप में उभरते हैं और ड्रेसिंग रूम में उच्च मानक स्थापित करते हैं। गौतम गंभीर की कप्तानी में कोलकाता नाईट राईडर ने 2012 और 2014 में आईपीएल खिताब जीते थे। इसके अलावा, मेंटोर के रूप में उनके मार्गदर्शन में टीम ने 2024 में तीसरी बार ट्रॉफी अपने नाम की। डु प्लेसी का मानना है कि यह सफलता केवल खिलाडि़यों की वजह से नहीं, बल्कि नेतृत्व की स्पष्ट सोच और अनुशासन का नतीजा है। उन्होंने यह भी कहा कि एक कप्तान के रूप में जब आप गंभीर के खिलाफ मैदान में उतरते हैं, तो स्वाभाविक रूप से उन्हें हराने की इच्छा होती है, लेकिन साथ ही उनके नेतृत्व और उच्च मानकों का सम्मान भी किया जाता है। यही गुण उन्हें एक प्रभावशाली नेता बनाता है। डु प्लेसी ने फ्रेंचाइजी क्रिकेट में नेतृत्व की व्यापक भूमिका पर भी जोर दिया। उनके अनुसार, टीम की सफलता केवल कप्तान पर निर्भर नहीं होती, बल्कि इसमें मालिक, कोच और टीम मैनेजमेंट की भी अहम भूमिका होती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाईट राईडर जैसी सफल टीमों का जिक्र किया, जहां मजबूत नेतृत्व समूह ने निरंतर सफलता दिलाई। डु प्लेसी ने कप्तान और कोच के बीच तालमेल को भी बेहद महत्वपूर्ण बताया। उनका कहना है कि यदि कप्तान मजबूत हो तो वह टीम को दिशा देता है, लेकिन अगर ऐसा नहीं है, तो कोच को नेतृत्व की जिम्मेदारी उठानी पड़ती है।

बॉटम

गायकवाड़ या म्हात्रे किसे मिले मौका?

आईपीएल 2026 : चेन्नई के सामने ओपनिंग जोड़ी की चुनौती

नई दिल्ली ● एजेंसी

आईपीएल 2026 की शुरुआत नजदीक आते ही पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप देने में जुट गई है। पिछले सीजन में टीम की सबसे बड़ी कमजोरी ओपनिंग जोड़ी रही थी, लेकिन इस बार संजू सैमसन के आने से इस समस्या का आंशिक समाधान जरूर मिला है। बावजूद इसके सबसे बड़ा सवाल अभी भी बना हुआ है कि सैमसन के साथ पारी की शुरुआत कौन करेगा। टीम के पास फिलहाल दो प्रमुख विकल्प हैं। पहला, युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे पर भरोसा बनाए रखा जाए, जिन्होंने पिछले सीजन में शानदार शुरुआत दिलाकर प्रभावित किया था। दूसरा, कप्तान रितुराज गायकवाड़ को फिर से ओपनिंग की जिम्मेदारी सौंपी जाए, जहां उनका रिकॉर्ड बेहद मजबूत रहा है। चेन्नई सुपर किंग्स अपने अभियान की शुरुआत 30 मार्च को राजस्थान रॉयल के खिलाफ करने जा रही है, ऐसे में सही संयोजन चुनना टीम के लिए बेहद अहम होगा। आईपीएल 2025 में डेब्यू करने वाले आयुष म्हात्रे ने 7 मैचों में 240 रन बनाकर टीम को आक्रामक शुरुआत दिलाई थी। 34.28 की औसत से रन बनाते हुए उन्होंने टॉप ऑर्डर में नई ऊर्जा भरी थी। हालांकि, इसके बाद उनका फॉर्म कुछ खास नहीं रहा। घरेलू क्रिकेट और अंडर-19 स्तर पर उन्हें निरंतरता नहीं मिल सकी, जिससे टीम प्रबंधन के सामने चयन को लेकर दुविधा बनी हुई है। वहीं, अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो रितुराज गायकवाड़ बतौर ओपनर ज्यादा प्रभावी साबित हुए हैं। उन्होंने आईपीएल में अपने अधिकांश रन इसी पोजीशन पर बनाए हैं और टॉप ऑर्डर में उन्हें खुलकर खेलने का मौका मिलता है। नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते हुए उनका प्रभाव थोड़ा कम दिखाई देता है, क्योंकि वहां उन्हें पारी को संभालने की अतिरिक्त जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। ऐसे में टीम के लिए संतुलित विकल्प यही नजर आता है कि गायकवाड़ को दोबारा ओपनिंग पर उतारा जाए और सैमसन के साथ मजबूत शुरुआत सुनिश्चित की जाए। वहीं, युवा आयुष म्हात्रे को नंबर 3 पर भेजकर उन्हें नई भूमिका में ढालने का मौका दिया जा सकता है। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स की सफलता काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगी कि टीम सही ओपनिंग कॉम्बिनेशन चुन पाती है या नहीं। अब देखना दिलचस्प होगा कि टीम प्रबंधन अनुभव को तरजीह देता है या युवा जोश पर दांव लगाता है।

न्यूज ब्रीफ

एक्साइज ड्यूटी में कटौती का फैसला आम नागरिकों के लिए बड़ी राहत : गृहमंत्री शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ईंधन की वैश्विक कमी और बढ़ती कीमतों के बीच केंद्र सरकार के फैसले की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देश जहां पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ा रहे हैं, वहीं मोदी सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में कटौती का फैसला आम नागरिकों के लिए बड़ी राहत है। ये कदम सरकार की जन-केंद्रित सोच और संवेदनशील निर्णय क्षमता को दर्शाता है। अमित शाह ने इस फैसले के लिए पीएम को बधाई देते हुए कहा कि यह निर्णय लोगों के हित में उठाया गया अहम कदम है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती पर हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि राम नवमी के अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। हम सभी को भगवान राम के आदर्शों का पालन करना चाहिए। पीएम मोदी ने आज एक ऐतिहासिक फैसला लिया है और आम आदमी को राहत प्रदान की है। पीएम मोदी इस कठिन समय में हमेशा भारत की जनता के साथ खड़े हैं। वहीं कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने सरकार के एक्साइज ड्यूटी कम करने के फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस कटौती से आम लोगों को कोई राहत नहीं मिलेगी और न ही ईंधन सस्ता होगा।

मिडिल ईस्ट संकट के बीच सरकार का बड़ा फैसला, इंटर-मिनिस्ट्रियल ग्रुप का गठन

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव ने वैश्विक स्तर पर चिंता की स्थिति पैदा कर दी है। ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच जारी सैन्य संघर्ष का असर अब विश्व अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति पर साफ दिखाई देने लगा है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए भारत सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। केंद्र ने एक उच्चस्तरीय इंटर-मिनिस्ट्रियल ग्रुप (आईएमजी) का गठन किया है, जो इस संकट से उत्पन्न होने वाले संभावित प्रभावों पर नजर रखेगा और समय रहते आवश्यक निर्णय लेगा। इस ग्रुप की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। इसके अलावा, गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी समेत अन्य संबंधित मंत्रालयों के मंत्री इसमें शामिल होंगे। यह समूह समन्वय के साथ कार्य करते हुए देश के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान खोजेगा। सरकार का यह निर्णय इसलिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरुरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है।

ईरान युद्ध के चलते देश में लॉकडाउन लगाने की बात पूरी तरह निराधार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ईरान युद्ध के चलते देश में संभावित लॉकडाउन को लेकर फैल रही अफवाहों पर सख्त रुख अपनाया है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने साफ कहा कि लॉकडाउन को लेकर जो भी बातें कही जा रही हैं वे पूरी तरह निराधार हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है और लोगों को घबराने की जरुरत नहीं है। सरकार हालात पर नजर रख रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत में लॉकडाउन की कोई योजना नहीं है और इस तरह की बातें पूरी तरह अफवाह है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा कि ऐसी अफवाहें फैलाना गैर-जिम्मेदाराना है और इससे लोगों में बेवजह डर फैलता है। सरकार लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। सरकार ने साफ किया है कि मौजूदा वैश्विक हालात के बावजूद देश में ईंधन या जरुरी वस्तुओं की कोई कमी नहीं है। मंत्रालय के मुताबिक भारत के पास पर्याप्त तेल और गैस का स्टॉक है और अगले 60 दिनों की सप्लाई पहले ही तय कर ली गई है। इसके अलावा भारत अब 41 से ज्यादा देशों से कच्चा तेल आयात कर रहा है, इससे होर्मुज स्ट्रेट में किसी भी तरह की बाधा का असर काफी हद तक कम हो गया है। तेल कंपनियों ने भी अपनी तरफ से तैयारियां बढ़ा दी हैं।

आम उपभोक्ताओं को तुरंत राहत मिलने की संभावना नहीं, कच्चे तेल की कीमतों पर निर्भर रहेगा आगे का असर

पेट्रोल पर तीन व डीजल पर 10 रुपए घटी एक्साइज ड्यूटी, तेल कंपनियों को फायदा

नई दिल्ली ● एजेंसी

केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) पर टैक्स और निर्यात नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए एक्साइज ड्यूटी में भारी कटौती की है। हालांकि इस फैसले से आम उपभोक्ताओं को तुरंत राहत मिलने की संभावना नहीं है, क्योंकि पेट्रोल-डीजल के रिटेल दामों में फिलहाल कोई कमी नहीं की गई है। सरकार का यह कदम ऊर्जा क्षेत्र में टैक्स ढांचे को सरल और तार्किक बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में बड़ा बदलाव किया है। पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी को 13 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है, जबकि डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर की ड्यूटी को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार ये नए नियम तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं।

हालांकि इस कटौती के बावजूद आम लोगों को पेट्रोल-डीजल के दामों में किसी तरह की राहत नहीं मिलेगी। इसकी मुख्य वजह यह है कि तेल विपणन कंपनियां इस कटौती से होने वाले लाभ का उपयोग अपने नुकसान की भरपाई करने में करेंगी। पिछले समय में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल के कारण इन कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा था। ऐसे में अब लागत कम होने से उनके मुनाफे और कैश फ्लो में सुधार होगा। सरकार ने केंद्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 2017 में भी संशोधन किया है। इसके तहत पेट्रोल, हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) और एटीएफ पर नियम 18 और 19 के प्रावधान लागू नहीं होंगे। हालांकि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों को पड़ोसी देशों नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका को ईंधन निर्यात करने पर पहले की तरह छूट मिलती रहेगी। निर्यात के मोर्चे पर भी सरकार ने अहम बदलाव किए हैं। हाई-स्पीड डीजल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 18.5 रुपये प्रति लीटर तय किया गया है, जबकि पेट्रोल के निर्यात पर इस शुल्क को शून्य रखा गया है। इससे पेट्रोल निर्यात को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा निर्यात और विदेशी एयरलाइंस को ईंधन आपूर्ति के मामलों में बुनियादी उत्पाद शुल्क और कृषि उपकर को हटाने का फैसला किया गया है। एविएशन सेक्टर के लिए भी राहत की घोषणा की गई है। एटीएफ पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क को बढ़ाकर 50 रुपये प्रति लीटर किया गया था, लेकिन एक अलग अधिसूचना के जरिए प्रभावी दर को घटाकर 29.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। साथ ही, आयातित एटीएफ पर अतिरिक्त सीमा शुल्क को भी हटा दिया गया है, जिससे एयरलाइंस की लागत कम हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार के इन फैसलों से ऊर्जा क्षेत्र में टैक्स ढांचे में स्पष्टता आएगी और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, इसका अंतिम असर अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों और बाजार की स्थिति पर निर्भर करेगा। फिलहाल, यह कदम तेल कंपनियों के लिए राहत भरा साबित होगा, जबकि आम जनता को सस्ते ईंधन के लिए अभी इंतजार करना पड़ सकता है।

छोटी बच्ची ने भेंट किया खिलौना बुलडोजर हंसी नहीं रोक सके सीएम योगी

बच्ची के साथ खिंचवाई तस्वीर, खूब पढ़ने की दी नसीहत, गोरखपुर दौरे पर हैं सीएम

गोरखपुर ● एजेंसी

यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ गोरखपुर दौरे पर हैं। शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में भ्रमण के दौरान उन्हें कानपुर से आई एक छोटी बच्ची ने खिलौना बुलडोजर भेंट किया। ये नजारा देखकर वहां मौजूद सभी हंसने लगे। सीएम योगी भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए। उन्होंने पहले तो बच्ची को पास बुलाया, फोटो खिंचवाई और फिर उसे खूब पढ़ाई करने की नसीहत दी। बाद में सीएम ने बच्ची को उसका खिलौना वापस कर दिया। फिलहाल, इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। खुद सीएम योगी के ऑफिस की और से इसको शेयर किया है। इसमें लिखा है। यह नन्हा सा उपहार बड़े विश्वास का प्रतीक है, यह भरोसे की मासूम अभिव्यक्ति है...आज सुबह गोरखनाथ मंदिर में भ्रमण के दौरान सीएम को कानपुर की पांच साल की यशस्विनी ने बुलडोजर खिलौना भेंट किया। वीडियो को मिनटों में हजारों लोग ने देखा। बता दें इससे पहले सीएम योगी ने शुक्रवार

को राम नवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान राम भारतीय चेतना के आदर्श का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने एक्स पर कहा कि राम करुणा और कर्तव्य के बीच एक अद्भुत संतुलन का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि धर्म, सत्य और मर्यादा के सर्वोच्च प्रतीक भगवान राम की जयंती पर सभी भक्तों और प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। बता दें गुरुवार को गोरखपुर में सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे अवैध जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें और चेतावनी दी कि गरीबों को परेशान करने वालों को बख़्शा नहीं जाएगा। सीएम ने जनता दर्शन में 200 लोगों से मुलाकात की, उनके आवेदन लिए और उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी शिकायतों को दूर करने के लिए प्रभावी कार्रवाई करेगी। योगी ने संबंधित प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को आवेदन भेजे, और उन्हें निर्देश दिया कि वे समय पर और संतोषजनक ढंग से उनका निपटारा करें।

पीएम मोदी काम करके दिखाने वाले नेता, अमेरिकी राष्ट्रपति ने की तारीफ

नई दिल्ली। ईरान जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी की तारीफ की है। ट्रंप ने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि वह एक ऐसे नेता हैं जो किसी भी काम को अंजाम तक पहुंचाते हैं। ट्रंप का यह बयान भारत में अमेरिकी दूतावास ने साझा किया है। ट्रंप ने बयान में पीएम मोदी को काम करके दिखाने वाले नेता बताया है। दरअसल, भारत में अमेरिकी दूतावास ने शुक्रवार को डोनाल्ड ट्रंप की उन टिप्पणियों को हाईलाइट किया, जिनमें उन्होंने पीएम मोदी की तारीफ की है। अमेरिकी दूतावास के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी को एक ऐसा नेता बताया है, जो काम करके दिखाते हैं। इतना ही नहीं, दूतावास ने यह भरोसा भी जताया कि आने वाले सालों में दोनों देशों के बीच रिश्ते और मजबूत होंगे। पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ हमारे शानदार रिश्ते भविष्य में और भी मजबूत होंगे। पीएम मोदी और मैं हम दोनों ऐसे लोग हैं जो काम करके दिखाते हैं, ऐसी बात ज़्यादातर लोगों के बारे में नहीं कही जा सकती।

बड़ी खुशखबरी : 42 हजार टन एलपीजी लेकर गुजरात के कांडला पहुंचा जग वसंत जहाज

अहमदाबाद ● एजेंसी

दुनिया भर में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और ऊर्जा आपूर्ति की अनिश्चितता के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। जग वसंत नाम का एक विशाल गैस टैंकर (वेसल) रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते गुजरात के कांडला पोर्ट पर सफलतापूर्वक पहुंच चुका है। इस जहाज में 42,000 मीट्रिक टन से अधिक एलपीजी की खेप लाई गई है। कांडला पोर्ट अथॉरिटी के अनुसार, गैस की इस विशाल खेप को उतारने के लिए मिड-सी ट्रांसफर प्रक्रिया का उपयोग किया जा रहा है। इसका अर्थ है कि समुद्र के बीच में ही जहाज से गैस को सीधे पाइपलाइन सिस्टम या पोर्ट की अन्य तकनीकी सुविधाओं तक पहुंचा दिया जाता है। इस तकनीक का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे समय की बचत होती है और गैस को तेजी से मुख्य ग्रिड तक पहुंचाकर आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) को तुरंत सक्रिय किया जा सकता है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में महत्वपूर्ण है जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा की कीमतों और आपूर्ति को लेकर अस्थिरता बनी हुई है। भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल है, जिन्हें ईरान ने तनाव के बावजूद होर्मुज के रास्ते का उपयोग करने की विशेष अनुमति दी है। भारत के प्रति इस कूटनीतिक सहयोग का ही परिणाम है कि अब तक चार महत्वपूर्ण तेल और गैस टैंकर सुरक्षित रूप से भारतीय तटों पर उतर चुके हैं। इससे पहले, 16 मार्च को एमटी शिवालिक मुंद्रा बंदरगाह पहुंचा था, जबकि 17 मार्च को एमटी नंदा देवी ने कांडला में अपनी खेप उतारी थी। इसके अतिरिक्त, कच्चे तेल से भरा जहाज जग लाडकी और सऊदी क्रूड लेकर आया सिलोंग भी सफलतापूर्वक भारत पहुंच चुके हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि जग वसंत से आई इस 42 हजार टन गैस की खेप से देश में घरेलू एलपीजी की उपलब्धता काफी मजबूत होगी। कांडला पोर्ट भारत के ऊर्जा आयात का एक प्रमुख केंद्र है, जहां से गैस देश के विभिन्न हिस्सों में वितरित की जाती है। वैश्विक युद्ध की परिस्थितियों और अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव के बावजूद, इस आपूर्ति से देश में रसोई गैस की किल्लत होने की संभावना खत्म हो गई है और आने वाले दिनों में सप्लाई सुचारू बनी रहेगी।

देशभर में रामनवमी की धूम : दिग्गज नेताओं ने दी शुभकामनाएं, प्रभु राम के आदर्शों को किया याद

नई दिल्ली ● एजेंसी

धर्म, सत्य और मर्यादा के श्रेष्ठतम प्रतीक प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी का पर्व आज पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया है। इस पावन अवसर पर देश के प्रमुख राजनेताओं ने जनता को बधाई देते हुए भगवान राम के जीवन मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया पर रामलला के प्राकट्य की चौपाइयां साझा करते हुए लिखा, समस्त देशवासियों को श्री रामनवमी के महापर्व की हार्दिक बधाई। हम सबके आराध्य मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम की कृपा सब पर बनी रहे। हर घर में प्रेम, सौहार्द, मर्यादा और संस्कार के पुष्प पल्लवित हों, यही प्रार्थना है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामनवमी को भारतीय चेतना का आधार बताते हुए कहा कि प्रभु श्री राम करुणा और

कर्तव्य के अद्भुत संतुलन हैं। उन्होंने अपने संदेश में जोर दिया कि शक्ति का असली सौंदर्य मर्यादा में ही निहित है और विजय का वास्तविक अर्थ लोकमंगल है। मुख्यमंत्री ने जनता से अपने आचरण में सत्य और समाज में समरसता लाने का आह्वान किया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भगवान राम के जीवन को पूरी मानव जाति के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया। उन्होंने कहा कि उनका जीवन प्रेम, सहनशीलता और त्याग का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से इस पर्व को आपसी भाईचारे और हर्षोल्लास के साथ मनाने की अपील की। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत का जिक्र करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश का सौभाग्य है कि यहाँ चित्रकूट और ओरछा जैसे पावन धाम हैं, जो प्रभु राम के वनवास और उनके शासक स्वरूप की याद दिलाते हैं।

बॉटम

सांसद चौधरी ने पत्रकारों के सामाजिक सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने रखी मांग

पत्रकारों की सुरक्षा और कल्याण के लिए नीति बनाने की मांग, लोकसभा में उठा मुद्दा

नई दिल्ली ● एजेंसी

पत्रकारों की सुरक्षा और उनके कल्याण को लेकर लोकसभा में शुक्रवार को अहम मुद्दा उठाया गया। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने सरकार से पत्रकारों के लिए एक समग्र और प्रभावी सुरक्षा एवं कल्याण नीति बनाने की मांग की। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम से सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि पत्रकारों को रिपोर्टिंग के दौरान कई तरह के जोखिमों का सामना करना पड़ता है, ऐसे में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। उन्होंने मांग की कि पत्रकारों को यात्रा में पहले की तरह 50 प्रतिशत रियायत फिर से बहाल की जाए, जिससे उन्हें काम के दौरान सहूलियत मिल सके। सांसद ने पत्रकारों और उनके परिवारों के लिए जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा की व्यापक व्यवस्था करने पर भी जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने पत्रकारों के बच्चों के लिए शिक्षा में सहायता उपलब्ध कराने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि यह कदम न केवल पत्रकारों के सामाजिक सुरक्षा ढांचे को मजबूत करेगा, बल्कि उनके मनोबल को भी बढ़ाएगा। सांसद चौधरी ने आवास से जुड़ी समस्याओं का भी जिक्र करते हुए कहा कि पत्रकारों को आवास या प्लॉट आवंटन

की सुविधा दी जानी चाहिए। उनका मानना है कि स्थायी आवास व्यवस्था पत्रकारों के जीवन को अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनाएगी। टोल टैक्स में रियायत देने की मांग इसके अलावा सांसद चौधरी ने नेशनल हाईवे और स्टेट हाईवे पर टोल टैक्स में रियायत देने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को लगातार यात्रा करनी पड़ती है, ऐसे में यह राहत उनके लिए काफी उपयोगी साबित होगी। साथ ही, बदलते समय के साथ पत्रकारिता के स्वरूप को ध्यान में रखते हुए उन्होंने एआई आधारित जर्नलिज्म के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने की भी आवश्यकता बताई। पत्रकारिता पेशा नहीं एक मिशन सांसद चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि एक मिशन है। यह लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, जो सत्ता को जवाबदेह बनाता है और समाज को जागरूक करता है। उन्होंने कहा कि जहां कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका को विभिन्न प्रकार की सुरक्षा और संस्थागत सुविधाएं प्राप्त हैं, वहीं पत्रकारों को भी उसी अनुपात में संरक्षण मिलना चाहिए। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि चाहे पत्रकार फील्ड में रिपोर्टिंग कर रहे हों या किसी संवेदनशील मुद्दे को उजागर कर रहे हों, उन्हें कई तरह की चुनौतियों और असुरक्षाओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में सरकार द्वारा एक ठोस और प्रभावी नीति बनाए जाने की मांग उन्होंने सदन में रखी है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- नितिन श्रीवास द्वारा पंकज प्रीटर्स एंड पैकेजिंग, ए-16, एल्फा पार्क, सांवेर रोड,एल्फा इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित 1054-एल, यूनियन बैंक, स्कीम नं. 114 इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- नितिन श्रीवास, आर.एन.आई. नंबर - एमपीएचआईएन/2023002 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)